छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 82 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 25 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

नक्सली पापाराव एक-47 के साथ आत्मसमर्पण किया, साथियों संग डाला हथियार

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य व वरिष्ठ नक्सली कमांडर पापाराव ने अपने 17 अन्य साथी माओवादियों के साथ मंगलवार को बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण कर दिया। हथियार डालने वाले नक्सलियों में 11 पुरुष और 7 महिला नक्सली शामिल हैं। यह आत्मसमर्पण सुरक्षाबलों व राज्य सरकार के लिए एक अहम रणनीतिक सफलता है, और 31 मार्च तक देश से माओवादी उग्रवाद के खात्मे की डेडलाइन के संबंध में सबसे अहम पड़ाव भी है।

बता दें कि पापा राव ने अपने 17 साथियों के साथ कुटरू थाने में आत्मसमर्पण किया है। इसके बाद उन्हें यहां से बस के जरिए जगदलपुर ले जाया गया। इस बारे में राज्य सरकार आज बुधवार को प्रेस से चर्चा करके महत्वपूर्ण जानकारी दे सकती है।

25 लाख रुपये का ईनामी नक्सली था पापा राव

अधिकारिक जानकारी के अनुसार पापा राव लगभग 25 वर्षों से जंगलों में सक्रिय था, इस दौरान

कई बार सुरक्षा बलों के साथ उसकी मुठभेड़ भी हुई, लेकिन हर बार वह बच निकलता था। राज्य सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये का ईनाम भी घोषित करके रखा था। राव पिछले दो दशकों में दक्षिण बस्तर में सुरक्षा बलों पर हुए कई जानलेवा हमलों का मुख्य साजिशकर्ता रहा है। साल 2009 में हुए ताड़मेटला हमले (तत्समय दंतेवाड़ा और अब सुकमा जिले में) की भी साजिश में शामिल रहा है। इस हमले में 76 जवान मारे गए थे। बस्तर संभाग और आसपास के राज्यों के कुछ हिस्सों में माओवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) को इस प्रतिबंधित संगठन की सबसे मजबूत इकाई माना जाता था। पिछले दो दशकों में सुरक्षा बलों पर कई जानलेवा हमले करने में इसकी अहम भूमिका रही है।

अब पापा राव के स्तर का कोई नक्सली नेता राज्य में नहीं

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को ही कहा था कि राज्य में बचा आखिरी वरिष्ठ माओवादी कमांडर पापा राव आज अपने दल के सदस्यों के साथ आत्मसमर्पण करेगा। उन्होंने कहा था कि यह कदम वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ राज्य की लड़ाई में एक अहम पड़ाव साबित होगा। उन्होंने बताया था कि एक बार जब उसका आत्मसमर्पण हो जाएगा, तब 'तकनीकी और स्पष्ट रूप से' यह कहा जा सकेगा कि उस स्तर का या उससे नीचे के स्तर का कोई भी नक्सली नेता अब राज्य के भीतर सक्रिय नहीं है।

अतिक्रमण करके बनाए गए 34 मकानों में चला बुलडोजर, 02 के पास है स्थगन आदेश

बवाल नहीं आया काम, पथराई आंखों से बच्चे, महिलाएं देखते रह गए टूटते आशियाना को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गंगापुर में मेडिकल कॉलेज के लिए आवंटित भूमि में कब्जा करके बनाए गए 36 मकानों में से 34 में बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यहां लंबे समय से कब्जा करके रहने वाले लोगों को छह वर्ष पूर्व ही नोटिस दिया गया था, लेकिन किसी ने कब्जा हटाने को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में रहा। हाल में 15 दिवस पूर्व राजस्व विभाग की ओर से पुन: इन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए की जाने वाली कार्रवाई से आगाह कराया गया था, और स्वस्फूर्त कब्जा हटाने कहा गया था, फिर भी यथास्थिति बनी रही। अंतत: प्रशासन ने पुलिस टीम, राजस्व और निगम के अमले के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाया।

मंगलवार की सुबह लोगों की नींद खुली, तो उन्हें नहीं मालुम था कि प्रशासन का अमला उनके ठिकानों को मलबे में तब्दील करने वाला है। महिलाएं बच्चों को स्कूल भेजने, कुछ बच्चे परीक्षा देने के लिए जाने की तैयारी में लगे थे, कोई चाय की घूंट भी नहीं ले पाया था, इसी बीच इलाके की

लाइट-बत्ती गुल हो गई और प्रशासनिक टीम अतिक्रमण हटाने के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था करके छह जेसीबी के साथ मौके पर पहुंच गया। भारी-भरकम पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों को देखकर लोगों के होश उड़ गए। चिन्हित मकान में रहने वाले लोगों से बाहर निकलने कहा गया, इसके बाद आक्रोश की स्थिति बन गई और जमकर विरोध का स्वर मुखर होने लगा, पत्थर चलाने जैसी बातें भी सामने आई। यहां बन रही स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मोर्चा संभाला और सख्ती दिखाकर तोड़ू दस्ता को कार्रवाई शुरू करने के लिए सुरक्षा घेरे में भेजा गया। जेसीबी लगाकर एक सिरे से मकानों को जमींदोज करने की प्रक्रिया जैसे ही शुरू हुई, महिलाओं और बच्चों की आंखों से आंसू निकल गए। प्रशासन की सख्ती देखकर लोगों ने अपने घरों से आननफानन में सामान निकालना शुरू कर दिया।

बता दें कि गंगापुर में मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भवन के लिए प्रशासन की ओर से 15 एकड़ भूमि उपलब्ध कराया गया है, इसमें से लगभग पांच-छह एकड़ सरकारी भूमि में लम्बे समय से 36 लोगों ने कब्जा करके रखा है। मेडिकल कॉलेज के लिए गंगापुर में भूमि आवंटन के बाद से ही कयास लग रहे थे कि आसपास बने मकानों पर कभी भी बुलडोजर चल सकता है। प्रशासन की ओर से इन कब्जाधारियों को नोटिस जारी करके वर्ष 2020 में ही जमीन खाली करने के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद कब्जा नहीं हटा। इस बीच कुछ कच्चे मकान पक्के में तब्दील हो गए। प्रशासन की टीम ने 6 जेसीबी

फर्जी पट्टा के मामले में होगा एफआईआर

एसडीएम फागेश सिन्हा ने कहा कि गंगापुर के नजूल क्षेत्र में जमीन पहले ही मेडिकल कॉलेज के लिए आवंटित की गई थी। अतिक्रमण करने वालों को अवैध कब्जा हटाने का नोटिस वर्ष 2020 में ही जारी कर दिया गया था। इसके बाद कुछ कारणों से तत्समय अतिक्रमण नहीं हट पाया। बेदखली का नोटिस देने के बीच मामला उच्च न्यायालय तक भी पहुंचा, लेकिन इन्हें राहत नहीं मिली। इन्हें कब्जा हटाने के लिए दी जाने वाली चेतावनी बेअसर रही, और प्रशासन को सख्ती दिखानी पड़ी। पूर्व में गंगापुर ग्राम पंचायत में शामिल था। कुछ लोगों ने कलेक्टर और डीएफओ का हस्ताक्षरयुक्त वन अधिकार पट्टा दिखाया। एसडीएम ने कहा जांच में हस्ताक्षर फर्जी पाए गए हैं। मामले में अलग से एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। दो के पास उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश है, ऐसे में इनका कब्जा नहीं हटाया गया है।

लगाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की प्रक्रिया को शाम तक जारी रखा। प्रशासन के रूख को देखकर ऐसा लगा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों की खैर नहीं है, आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान प्रशासन की ओर से एसडीएम फागेश सिन्हा, तहसीलदार उमेश बाज सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही, वहीं सुरक्षा व्यवस्था का कमांड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ने संभाला।

सरकार अफीम की खेती करवा रही, मंत्री अपनी गाड़ियों में सिलिंडर लेकर चल रहे, सिस्टम बीमार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान सरकार पर जमकर हमला बोला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मंगलवार को शहर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा के दौरान प्रदेश की साय सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सब कुछ भगवान भरोसे है। सरकार अफीम की खेती अपने संरक्षण में करवा रही है। इनके मंत्री अपनी गाड़ियों में सिलिंडर लेकर चल रहे हैं। नकली शराब बिक्री और सूखे नशे का कारोबार चरम पर है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

दीपक बैज संगठन सृजन अभियान के तहत पिछले 14 दिनों से सरगुजा संभाग में लगातार प्रवास पर हैं, और कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को रीचार्ज करने में लगे हैं। वे कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करके संगठन की जमीनी पकड़ को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत कई स्थानों पर बूथ गठन किया गया है और कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने सरगुजा संभाग के सूरजपुर और बलरामपुर में कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा दिए गए सामूहिक इस्तीफों पर कहा, जिन्हें पार्टी में काम नहीं करना, वे जा सकते हैं। हमें 24 घंटे समर्पित रहने वाले कार्यकर्ताओं की जरूरत है। पार्टी को 24 घंटे काम करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की जरूरत है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, सरकार भगवान भरोसे चल रही है। प्रदेश में अफीम की खेती सरकार के संरक्षण में हो रही है। इस काम में भाजपा के नेता सीधे शामिल हैं।

नक्सलवाद खत्म हो, साथ ही उठाए ये सवाल

नक्सली लीडर पापा राव के आत्मसमर्पण और नक्सलवाद के खात्मे पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इसका खत्म होना अच्छी बात है, लेकिन इसके बाद भी बस्तर में चुनौतियां खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार गारंटी दे सकती है कि 31 मार्च के बाद किसी आदिवासी को नक्सली बताकर परेशान नहीं किया जाएगा और जल-जंगल-जमीन को निजी हाथों में बेचने से रोकेगी? उन्होंने कहा कि बस्तर निवासी होने के नाते वे इस दर्द को बेहतर समझते हैं। नक्सलवाद खत्म हो, यह हम भी चाहते हैं, लेकिन क्या सरकार यह गारंटी देगी कि 31 मार्च के बाद किसी निर्दोष आदिवासी को नक्सली बताकर प्रताड़ित नहीं किया जाएगा?

बीमार सिस्टम के कारण हिरणों की हुई मौत

अंबिकापुर के संजय वन वाटिका में हिरणों की मौत के मामले को लेकर दीपक बैज ने सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि यह सामान्य घटना नहीं, बल्कि बीमार सिस्टम का परिणाम है। रेस्क्यू सेंटर के नाम पर जानवरों को पार्क में रखा गया है, जिससे उनकी सुरक्षा प्रभावित हुई है। अगर ये जानवर जंगल में रहते, तो क्या इन पर कुत्ते हमला करते? इस मामले में सिर्फ निचले स्तर पर कार्रवाई कर खानापूर्ति की गई है, बड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने 15 हिरणों की मौत पर दु:ख जताते हुए इसे सिस्टम की नाकामी करार दिया और कहा कि केवल एक रेंजर पर कार्रवाई काफी नहीं है। विभाग के बड़े अफसरों और वन मंत्री को इसके लिए नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

एफआइआर में भाजपा नेताओं को बचाने के लिए इनका नाम नीचे रखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश को सूखे नशे की चपेट में सरकार ने धकेल दिया गया है, शराब पर नकली होलोग्राम लगाकर बेचा जा रहा है। इस पूरे मामले में मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए। दीपक बैज ने रसोई गैस को लेकर भी प्रदेश और देश की सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मंत्री खुद अपनी गाडियों में गैस सिलिंडर लेकर चल रहे हैं और रेस्ट हाउस में खाना बनवाकर सिलिंडर वापस ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में रसोई गैस को लेकर आम लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है। सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कहा है कि आने वाले दिनों में कोरोना जैसी स्थिति निर्मित हो सकती है। प्रेस वार्ता दौरान सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, डॉ. प्रेमसाय सिंह, द्वितेन्द्र मिश्रा, सूरजपुर जिला अध्यक्ष शशि सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, दानिश रफीक, अनूप मेहता, अशफाक अली, डॉ. लालचंद यादव, इरफान सिद्दीकी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन से मनेंद्रगढ़ रोड तक सड़क चौड़ीकरण और डिवाइडर निर्माण की हो पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रेलवे स्टेशन अंबिकापुर से मनेंद्रगढ़ रोड तक सड़क चौड़ीकरण, डिवाइडर निर्माण एवं पृथक पहुंच मार्ग विकसित करने के संबंध में क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के सदस्य मुकेश तिवारी, भाजपा नेता कैलाश मिश्रा, रेलवे सेक्शन इंजीनियर मनोज गुप्ता, ओएस एलओडब्ल्यू अमित दास ने कलेक्टर सरगुजा के नाम पत्र सौंपा है। इससे पहले सोमवार को चर्चा के दौरान मुकेश तिवारी ने कलेक्टर को अवगत कराया कि अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत स्टेशन परिसर में भीतरी मार्ग के चौड़ीकरण सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वॉशिंग पीट का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। निर्माणाधीन अतिरिक्त प्लेटफार्म एवं स्टेबलिंग लाइन के पूर्ण होने के पश्चात स्टेशन की क्षमता एवं रेल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। भविष्य में अन्य प्रदेशों तक फाइनल लोकेशन सर्वे के अनुरूप नई लाइन निर्माण, यात्री गाड़ियों की संख्या बढ़ने के साथ यात्रियों की आवाजाही में भी वृद्धि स्वाभाविक है। स्टेशन परिसर के बाहर से मनेंद्रगढ़ मुख्य मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 तक जाने वाला संपर्क मार्ग अत्यंत व्यस्त एवं संकीर्ण

है। ट्रेन के आगमन अथवा प्रस्थान के समय वाहनों की अत्यधिक भीड़ एवं अव्यवस्थित यातायात के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, जिससे यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है। दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

मुकेश तिवारी ने यातायात प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने तथा यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने की दृष्टि से अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से मनेंद्रगढ़ रोड तक की सड़क के समुचित चौड़ीकरण व बीच में डिवाइडर स्थापित करते हुए इसे सुव्यवस्थित टू-लेन मार्ग के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है, जिससे दोनों दिशाओं में निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन संभव हो सके। उन्होंने सुझाव दिया है कि इसके अतिरिक्त स्टेशन के पश्चिमी किनारे में स्थित रेलवे क्वार्टर के आगे से मनेंद्रगढ़ रोड तक लगभग 15 फीट चौड़ा मार्ग उपलब्ध है, इसे विकसित करके, पृथक पहुंच मार्ग के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है, जिससे यातायात का दबाव कम होगा और जाम की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। उपरोक्त प्रस्ताव की तकनीकी व्यवहार्यता, भूमि उपलब्धता एवं यातायात की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक परीक्षण एवं कार्रवाई हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया गया है, ताकि अंबिकापुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं यात्रियों के अनुकूल बनाया जा सके। कलेक्टर ने इस पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए आश्वस्त किया है।

अंबिकापुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवा 30 मार्च से होगी शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवा 30 मार्च से शुरू हो जाएगी। एयर मां महामाया एयरपोर्ट से हफ्ते में 2 दिन सोमवार और बुधवार को एलायंस एयर फ्लाइट चलाएगा। यह उड़ान बिलासपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। एलाएंस एयर ने अपने वेबसाइट पर इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। इसके अलावा अंबिकापुर से कोलकाता की भी फ्लाइट शुरू होगी। ये फ्लाइट भी सप्ताह में 2 दिन गुरुवार और शनिवार को चलाई जाएगी। एलायंस एयर ने शुरू की जा रही फ्लाइट का शेड्यूल जारी कर दिया है। 30 मार्च को अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से फ्लाइट दोपहर 12 बजे रवाना होगी, जो 2.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। एलायंस एयर 72 सीटर यू एटीआर विमान का संचालन करेगा। वहीं बिलासपुर के लिए शुक्रवार को भी फ्लाइट सेवा मिलेगी। एलायंस एयर की ओर से 30 मार्च से ही बिलासपुर-दिल्ली फ्लाइट के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। पहले यह सेवा मंगलवार, बुधवार और गुरुवार के लिए दी गई थी।

धर्म परिवर्तन के साथ ही खत्म हो जाएगा अनुसूचित जाति का दर्जा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले पर जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कद्दावर मंत्री गणेश राम भगत ने कहा है कि इस ऐतिहासिक फैसले से वे खुश हैं। सरगुजा, जशपुर में तेजी से धर्म परिवर्तन हो रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण पर बहुत बड़ा अंकुश लगाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद उम्मीद जगी है कि जनजाति समाज के लिए भी आने वाले समय में कुछ ऐसा ही फैसला आएगा। उन्होंने कहा देश भर में जनजाति समाज का धर्म परिवर्तन तेजी से हो रहा है, अपनी परंपरा, संस्कृति को छोड़ने वाला आदिवासी नहीं हो सकता है। इन परिस्थितियों को देखते हुए 24 मई को दिल्ली में 5 लाख की संख्या में जनजाति समाज के लोग धर्मांतरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। हमारी केंद्र सरकार से मांग है कि जो जनजाति समाज से धर्मांतरित हो गया, उनके आरक्षण को खत्म किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनकर जनजाति समाज के लिए भी आगे का रास्ता साफ कर दिया है।

पालतू बैल को हुआ था हॉर्न कैंसर, एमव्हीयू की टीम ने ऑपरेशन करके पीड़ा से दिलाई मुक्ति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुसमुसी के पशुपालक बिजेंद्र पैकरा के बैल की पीड़ा को चलित पशु चिकित्सा इकाई की टीम ने गांव पहुंचकर दूर किया। टीम ने सीमित संसाधनों के बीच न सिर्फ बैल का

ऑपरेशन किया, बल्कि उपचार करके पिछले लगभग एक महीने से हॉर्न कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से राहत दी। बीमार बैल असहनीय दर्द झेल रहा था और उसके सींग से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। पशुपालक ने कई बार सामान्य उपचार करवाया, लेकिन कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। इस स्थिति से वह काफी हताश और परेशान हो चुका था। इसी बीच उसे पशु हेल्पलाइन नंबर 1962 के बारे में जानकारी मिली। पशुपालक ने तुरंत 1962 पर कॉल करके चलित पशु चिकित्सा इकाई (एमव्हीयू) भैयाथान से संपर्क किया। एमव्हीयू की टीम ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए पशुपालक के घर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने साहस और कुशलता का परिचय देते हुए जटिल ऑपरेशन किया और बैल के संक्रमित सींग को सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद बैल की स्थिति में सुधार है और स्थिति पहले से काफी बेहतर है। पशुपालक ने एमव्हीयू भैयाथान की टीम का समय पर पहुंचकर एक पशु का जीवन बचाने के लिए आभार व्यक्त किया है। सर्जरी में डॉ. चंद्रकांत सिंह, डॉ. मंजूर आलम, डॉ. मुकेश सिंह, खुशबु देवांगन, सूरज कुमार (एव्हीएफओ) और पायलट राजेश कुमार का महत्पूर्ण योगदान रहा।

तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाला जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के बसदेई चौकी क्षेत्र में एक युवक तलवार लहराकर लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा था, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है, यहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक, 24 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि बसदेई क्षेत्र में एक युवक शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर तलवार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है, और राहगीरों को रोककर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, यहां आरोपी हाथ में लोहे की तलवार लेकर लहराते हुए मिला। पुलिस को देखते ही वह भागने की कोशिश किया, लेकिन पुलिस की घेराबंदी के कारण वह भाग नहीं पाया। गिरफ्तार युवक दिनेश सोनवानी (32 वर्ष) ग्राम कुंवरपुर, पुलिस चौकी बसदेई का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

अवैध कटाई पर वन विभाग सख्त, लापरवाही पर परिक्षेत्र सहायक निलंबित

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वन परिक्षेत्र शंकरगढ़ अंतर्गत मनोहरपुर बीट में अवैध जंगल कटाई का मामला सामने आया था। सूचना प्राप्त होने पर रेंजर शंकरगढ़ ने इसे त्वरित संज्ञान में लिया और वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देश एवं उपवनमंडलाधिकारी रवि शंकर लाल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच दल गठित कर प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई गई है। जांच के दौरान पाया गया कि अवैध कटाई की घटना परिसर रक्षक युधिष्ठिर राम एवं परिक्षेत्र सहायक राम प्रताप राही की लापरवाही के कारण हुई। इसका ग्रामीणों ने विरोध भी किया था। वनमंडलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए परिक्षेत्र सहायक युधिष्ठिर राम को निलंबित कर दिया है। घटना से शासन को हुई क्षति की भरपाई संबंधित परिसर रक्षक एवं परिक्षेत्र सहायक से करने के निर्देश दिए गए हैं। रेंजर शंकरगढ़ द्वारा प्रभावित क्षेत्र में भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु फेंसिंग एवं वृक्षारोपण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिस पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने की सामाजिक हस्तक्षेप की मांग-सरपंच और गांव के लोगों ने भी मामले में कड़ा विरोध जताते हुए छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर को ज्ञापन सौंपा है और सामाजिक हस्तक्षेप करते हुए और गहन जांच करने की मांग की है।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, 14 वर्षीय किशोर की मौत, 02 गंभीर

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही/भटगांव। सूरजपुर जिला के ग्राम बरौधी में मंगलवार को सड़क हादसे में बाइक सवार 14 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, साथ में सवार दो अन्य नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 8 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

15 बल्क लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन पर जिला आबकारी अधिकारी श्री एस.एन साहू के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के भंडारण एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा जिले के पुलिस थाना कोरंधा में 01 प्रकरण पर कार्यवाही करते हुए अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब जब्त किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि ग्राम देवरी निवासी प्रकाश साहू के पास से 15 लीटर अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब जब्त किया गया। उक्त आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अपराध प्रकरण कायम कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

विश्व क्षय दिवस पर 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

★ समय पर जांच एवं उपचार से टीबी मुक्त जिला की ओर अग्रसर बलरामपुर-रामानुजगंज ★ स्वस्थ समाज के लिए टीबी के प्रति जागरूकता जरूरी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विश्व क्षय दिवस राष्ट्रव्यापी अभियान के अवसर पर बाजार पारा स्थित ऑडिटोरियम हाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जायसवाल ने महात्मा गांधी के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही 10 टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण किया गया।

रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहले टीबी को एक अत्यंत गंभीर बीमारी के रूप में देखा जाता था, जिसके कारण लोगों में इसके प्रति छुआछूत का भावना भी थी। लेकिन अब समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं और जागरूकता बढ़ने से इस बीमारी के प्रति लोगों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन के संकल्पों और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों के परिणाम स्वरूप टीबी जैसी बीमारी से भी अब निजात संभव हो रही है। इसके लिए आवश्यक है कि लोग इसके लक्षणों को समय रहते पहचानें और तत्काल उपचार शुरू कराएं। श्री जायसवाल ने कहा कि सभी अपने आसपास के लोगों को भी टीबी के प्रति जागरूक करें, और इसके निर्धारित अवधि तक उपचार करने के लिए प्रेरित करे।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय दिवस के अवसर पर जिले में 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर टीबी जांच के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की समय पर पहचान हो सके। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास के लोगों को टीबी की जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बीमारी को छुपाने के बजाय लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच एवं उपचार कराना आवश्यक है। उन्होंने नियमित रूप से दवाइयां लेने की भी समझाइश दी। कलेक्टर श्री कटारा ने बताया कि शासन द्वारा टीबी मरीजों को पोषण के लिए सहायता राशि प्रदान की जाती है। साथ ही रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से मरीजों को फूड बास्केट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो सके। उन्होंने टीबी से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी देते हुए लोगों से आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की और कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सकता है।

जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व क्षय दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी के प्रति जागरूकता का अभाव है, जिसके कारण लोग इसे सामान्य खांसी समझकर उपचार नहीं कराते हैं। इससे समय बीतने के साथ बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने आमजनों से कहा कि खांसी को नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच एवं उपचार अवश्य कराएं, ताकि समय रहते बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सके।

जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित ने कहा टीबी जैसे बीमारियों का पूरी तरह से खत्म करने लोगो को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। मितानिनों द्वारा ग्राम पंचायत में जमीनी स्तर पर कार्य किया का रहा है जो कि सराहनीय है। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले समय में हमारा जिला निक्षय निरामय को प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने सभी मितानिनों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य समाज के निर्माण में आप लोगों की महत्ती भूमिका है। उन्होंने कुपोषण के लिए भी विशेष योगदान देने कि बात कही। ताकि समाज को समग्र रूप से स्वस्थ और सशक्त बनाया जा सके।

मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी है कि इस अभियान में पिछले 01 वर्षों में 152817 संभावित उच्च जोखिम लोगो को चिन्हांकित किया गया जिसमें से 148225 का स्क्रिनिंग पूरी कर ली गई है। इसी कड़ी में आज 100 दिवसीय अभियान का दूसरा चरण आरंभ किया जा रहा है जिसके अंतर्गत जिले की 174 उच्च जोखिम ग्रामों को चिन्हांकित कर लिया गया है, जिसमें वहां के संभावित मरीजों को एक्स-रे के माध्यम से ग्राम स्तर पे ही जाँच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में 20 ग्राम पंचायतों एवं वर्ष 2024 में 147 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त किया गया था। जिसमें 136 प्रथम वर्ष एवं 11 ग्राम पंचायत निरंतर दूसरे वर्ष टीबी मुक्त पंचायत की श्रेणी को प्राप्त किया। इसी प्रकार वर्ष 2025 में 216 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त किया गया जिसमें 131 पहली बार, 76 पंचायत दूसरी बार, 09 ग्राम पंचायत निरंतर तीसरी बार टीबी मुक्त पंचायत होने की श्रेणी को प्राप्त किया। वर्ष 2025 में 16021 टीबी के संभावित मरीजों का जांच किया गया जिसमें 928 मरीज मिले जिसमें 554 मरीज स्वस्थ्य हो चूके है। उन्होंने कहा कि शेष मरीजों का ईलाज जारी है। आने वाले समय में जल्द ही बलरामपुर रामानुजगंज जिले को टीबी मुक्त कर पायेगे।

इस दौरान जिला टीबी अधिकारी डॉ. अनुज टोप्पो ने आमजनो को क्षय रोग के प्रति जागरूक करते हुए इसके लक्षण, बचाव एवं उपचार की जानकारी दी। इस अवसर पर लोगों को बताया गया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, वजन में कमी, बुखार और रात में पसीना आना टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराना आवश्यक है। टीबी की जांच एवं उपचार शासन द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में टीबी मरीजों के पोषण के लिए संचालित निक्षय पोषण योजना की जानकारी भी दी गई। इसके अंतर्गत मरीजों को उपचार अवधि में प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे पौष्टिक आहार ले सकें। इस दौरान आम नागरिकों से अपील की कि वे टीबी के लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय पर उपचार लेकर इस बीमारी को जड़ से खत्म करने में सहयोग करें। अन्य जनप्रतिनिधियो ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सामुदायिक सहभागिता से टीबी जैसे गंभीर बीमारियों से भी निजात पाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 100 दिवसीय अभियान राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत पहले चरण का शुभारंभ 07 दिसंबर 2024 को किया गया, जिसे ग्रामीण क्षेत्रो मे क्षय रोग के उन्मूलन के लिए लागू किया गया, जिसके अंतर्गत क्षय रोग के संभावित उच्च जोखिम समूहो के व्यक्तियों की पहचान करने पश्चात उनकी जाँच करा कर पीड़ित मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

निक्षय वाहन को दिखाई गई हरी झंडी

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान अंतर्गत निक्षय वाहन के द्वारा ग्रामों में जाकर चिन्हांकित लोगों का टीबी जांच कर उचित परामर्श दिया जाएगा। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक, मितानिन, छात्राएं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

संयुक्त जिला कार्यालय भवन की साफ-सफाई हेतु पंजीकृत संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन बलरामपुर में संचालित समस्त कार्यालय तथा परिसर में प्रतिमाह की दर से साफ-सफाई का कार्य महिला स्व-सहायता समूह से कराया जाना है।

इच्छुक पंजीकृत महिला स्व-सहायता समूह जो एनयूएलएम (राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन) एवं एनआरएलएम (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) में पंजीकृत हैं, उनसे आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र 27 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे तक कार्यालय अधीक्षक कक्ष से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। पंजीकृत संस्था अपना सील बंद आवेदन 27 मार्च 2026 दोपहर 2 बजे तक अधीक्षक, संयुक्त जिला कार्यालय बलरामपुर के कक्ष में जमा कर सकते हैं।

आवेदन के साथ अमानत के रूप में 5 हजार का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य होगा। 27 मार्च 2026 को दोपहर 3 बजे प्राप्त आवेदन समिति द्वारा खोली जाएगी। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

निर्धारित समय में लक्ष्यों की पूर्ति करें सुनिश्चित : जयवर्धन

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए आँबा केन्द्रों के समयबद्ध संचालन के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां जिला संयुक्त कार्यालय में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा की बैठक में सम्पूर्णता अभियान के समस्त संकेतकों की समीक्षा की गई। बैठक में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, कृषि एवं आजीविका सहित विभिन्न बिंदुओं पर हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।कलेक्टर ने बैठक में कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर उनमें शीघ्र सुधार लाने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा फील्ड स्तर पर निगरानी और अधिक सुदृढ़ की जाए। साथ ही उन्होंने विभिन्न संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सम्पूर्णता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान आमजन के जीवन स्तर में सुधार से सीधे जुड़ा है, अतः इसे पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में समय-सीमा बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागवार लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों से उनकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर आम नागरिकों तक पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आँगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन पर विशेष ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी आँगनबाड़ी केन्द्र निर्धारित समय पर खुलें और निर्धारित समय पर ही बंद हों। उन्होंने कहा कि आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति अथवा केन्द्र देर से खुलने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए । श्री जयवर्धन ने विशेष रूप से जनशिकायत प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। बैठक में सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभागों के लंबित कार्यों की सूची तैयार कर अगली समीक्षा बैठक से पूर्व निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने यह भी कहा कि अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, सर्व एसडीएम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालीवार राजस्व विभाग की हुई समीक्षा

जिले में राजस्व विभाग के कार्य प्रगति की समीक्षा कर कलेक्टर ने न्यायालयवार राजस्व मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान अभिलेख सुधार, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन, पट्टा वितरण तथा अभिलेख दुरुस्तीकरण सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

दुर्घटनाजन्य वाले क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वनमंडलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने एवं सड़क सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री कटारा ने जिले के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में त्वरित सुधार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां सड़क दुर्घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, वहां जागरूकता बोर्ड, रिफ्लेक्टर एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा संकेतक अनिवार्य रूप से लगाएं ताकि वाहन चालकों को समय रहते सचेत किया जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य के दौरान साइन एज, रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने परिवहन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बसे निर्धारित स्टॉपेज पर ही रोके। उन्होंने अन्य जगह पर बस रोकने पर आवश्यक कार्यवाही करने तथा निर्धारित रूट के अनुसार बसों का संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़कों पर अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिससे अनावश्यक रूप से यातायात बाधित न हो। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि ढाबों, होटलों एवं ठेलों में अवैध शराब बिक्री पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने कहा कि जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करते हुए सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें। जिससे बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

तापघात से बचाव हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिले में तापघात से बचाव एवं आवश्यक तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार सुनील अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर को लू तापघात से संबंधित तैयारियों एवं बचाव कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

भारतीय थल सेना भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के तत्वाधान में भारतीय थल सेना में भर्ती हेतु अधिसूचना 13 फरवरी 2026 को जारी की गई है। यह अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है।

भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन 14 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जो 01 अप्रैल 2026 तक किया जा सकता है। अभ्यर्थी अग्निवीर पुरुष (जनरल ड्यूटी, तकनीकी, लिपिक/स्टोरकीपर), ट्रेडमैन (दसवीं एवं आठवीं उत्तीर्ण), अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) तथा स्थायी कैडर के अंतर्गत नर्सिंग असिस्टेंट, वेट एवं सिपाही फार्मा पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) का आयोजन 01 जून से 10 जून 2026 के बीच संभावित है। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है तथा चयन केवल योग्यता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अग्निवीर 2026 की लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार के प्रलोभन या दलालों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय नया रायपुर (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप) के दूरभाष नंबर 0771-2665212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रशासन की पहल से दिव्यांग को मिली मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जनपद पंचायत राजपुर के ग्राम कुन्दीकला निवासी 85 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग श्री सोमार सिंह टेकाम के जीवन में अब एक नई उम्मीद की किरण जगी है। जो कभी रोजमर्रा की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहते थे, आज आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। श्री सोमार सिंह अपनी समस्या लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे, जहां उन्होंने मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। प्रशासन की सक्रिय पहल से उसी दिन ही श्री सोमार को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल प्रदान की गई।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने सोमार को ट्रायसायकल प्रदान करते हुए आगे जीवन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया मौजूद रहे। श्री सोमार के जीवन में ट्रायसाइकिल उनके लिए केवल एक परिवहन का साधन नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता की नई पहचान बन गई है। इसके माध्यम से वे अब अपने दैनिक कार्यों के लिए आसानी से आवागमन कर पाएंगे और दूसरों पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जाएगी। श्री सोमार सिंह एवं उनके परिजनों ने इस त्वरित सहायता के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

रजिस्ट्रीकरण तथा अपील प्राधिकारी हुये नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पदेन एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अपील प्राधिकारी नियुक्त किया गया हैं। इसके अंतर्गत सूरजपुर, भैयाथान, रामानुजनगर एवं प्रतापपुर के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को रजिस्ट्रकरण अधिकारी एवं तहसीलदार को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं अपर कलेक्टर को अपील प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

झगड़ा, मारपीट और हथियार लहराने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। झगड़ा, मारपीट और सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में रायगढ़ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। इसी क्रम में जूटमिल और चक्रधरनगर थानों की टीमों ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा। इस कार्रवाई में एक विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल है।

चार आरोपियों को अभिरक्षा में लिया

21 मार्च को समाधी गली में हुई मारपीट की घटना में जूटमिल पुलिस ने चार आरोपियों को अभिरक्षा में लिया। प्रार्थी किशोर बालक ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने रिश्तेदार के साथ लकड़ी की देखभाल के लिए कयाघाट गया था। वहां करन बानी उर्फ करन गुप्ता और उसके साथियों ने बालक पर हमला किया। पीड़ित भागकर अपने घर पहुंचा, लेकिन आरोपियों ने पीछा किया। बाद में करन का बड़ा भाई सोनू गुप्ता तलवार लेकर घटनास्थल पर पहुंचा और जान से मारने की नीयत से दौड़ाया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 94/2026 के तहत धारा 115(2), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामले में त्वरित कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में करन बानी, नंद किशोर बानी उर्फ अखिल गुप्ता, सोनू गुप्ता और एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया और उन्हें जेल भेज दिया गया।

आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई

23 मार्च को विजयपुर क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि दो युवक इंदिरा विहार मेन रोड पर धारदार खुरपी लहराकर राहगीरों को डराने धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम आशीष महंत और श्याम बरेठ बताया। आशीष महंत के कब्जे से धारदार लोहे की खुरपी बरामद की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई और न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

एमआईसी की बजट बैठक में उठा मल्टीलेवल पार्किंग के दुरुपयोग का मामला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। मेयर इन कौंसिल (एमआईसी) की बजट बैठक में कलेक्टोरेट स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के दुरुपयोग का मामला उठा। इस मुद्दे को एमआईसी सदस्य विजय ताम्रकार ने उठाया, जिसके बाद सदस्यों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह पार्किंग 2500 करोड़ रुपए से अधिक के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहर का विकास करना है। ताम्रकार ने आरोप लगाया कि ठेकेदार पार्किंग का उपयोग बाइक बेचने के लिए कर रहा है। उन्होंने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसके बाद स्मार्ट सिटी प्रबंधन से तीन दिनों के भीतर जवाब तलब किया गया है। एमआईसी सदस्यों ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि कलेक्टोरेट जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर पार्किंग का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है और अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मेयर पूजा विधानी ने कहा कि पार्किंग का निर्माण आम जनता के वाहनों को पार्क करने के लिए किया गया है और इसका उपयोग केवल इसी उद्देश्य के लिए होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत संज्ञान लेकर इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने मामले की जांच का आश्वासन दिया।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत मुख्यमंत्री लगभग 5 लाख भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को 500 करोड़ रुपये की सौगात देंगे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को आर्थिक रूप से संबल बनाने के लिए शुरू की गई एक प्रमुख योजना है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के भूमिहीन कृषि श्रमिकों को सशक्त बनाना है। इस योजना से सर्वाधिक रायपुर जिला के 53 हजार 338 भूमिहीन कृषि मजदूर और सबसे कम बीजापुर जिला से 1542 भूमिहीन कृषि मजदूर शामिल हैं। सरकार ने इन्हें मुख्यधारा से जोड़कर यह संदेश दिया है कि 'अंत्योदय' की कतार में खड़ा आखिरी पंक्ति के व्यक्ति भी शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजनाके तहत 4.95 लाख से अधिक पात्र परिवारों के लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए की वित्तीय सहायता सीधे हितग्राही के बैंक खाते में दी जाती है। 25 मार्च 2026 को बलौदाबाजार से जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राशि अंतरित करेंगे, तो वह छत्तीसगढ़ के न्याय और सुशासन की गूंज होगी। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार की नीयत साफ और नीति स्पष्ट हो, तो विकास की किरण हर झोपड़ी तक पहुंचती है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। संकल्प बजट 2026-27 में 600 करोड़ रूपए का प्रावधान के साथ भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को आर्थिक सुरक्षा का सशक्त संबल मिलेगा। यह सहायता सीधे जरूरतमंदों तक पहुँचकर उन्हें स्थिरता, सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान करेगी। सशक्त श्रमिकों के माध्यम से सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य सुनिश्चित करना छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत रायपुर जिला के 53 हजार 338 भूमिहीन कृषि मजदूर, बिलासपुर जिला के 39 हजार 401 भूमिहीन कृषि मजदूर, महसमुंद जिला के 37 हजार 11 भूमिहीन कृषि मजदूर और सबसे कम बीजापुर जिला से 1542 भूमिहीन कृषि मजदूर, कोरिया जिला से 1549 भूमिहीन कृषि मजदूर और नारायणपुर जिला से 1805 भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिलेगा लाभ मिलेगा, जिनका ई केवायसी हो चुका है।

कबीरधाम में दीदियों ने संभाली स्टीयरिंग, उपमुख्यमंत्री शर्मा बने पैसेंजर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कबीरधाम जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव और प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां अब तक पुरुष प्रधान माने जाने वाले परिवहन व्यवसाय में महिलाओं की भागीदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। इस अवसर पर स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने जब स्टीयरिंग संभाली तो उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उनके पैसेंजर बन गए। पहले परिवहन व्यवसाय केवल पुरूष प्रधान कार्य माना जाता था, जिस मिथक को तोड़ अब समूह की महिलाएं स्टेयरिग थामकर आजीविका का सशक्त साधन तैयार करने के साथ ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को भी नई गति देने जा रही हैं। सरस मेले के शुभारंभ के अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जिले की 10 महिला समूहों को 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस' योजना के तहत सीएलएफ मैजिक वाहन वितरित किए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इन वाहनों का वितरण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक वाहन की लागत लगभग 7.50 लाख रुपये है, जिसमें से 5 लाख रुपये केंद्र सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दिए गए हैं। शेष राशि का प्रबंधन संबंधित समूहों द्वारा किया गया है, जिससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी। उन्होंने कहा कि अब स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने क्षेत्रों में यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराकर आय का स्रोत विकसित करेंगी। विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में यह पहल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जहां अब तक परिवहन की कमी एक बड़ी समस्या रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह पहल केवल शुरूआत है।

तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल 9 आरोपियों को वन विभाग की टीम ने किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। वन्यजीव संरक्षण को लेकर राज्य में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में 19 मार्च 2026 को केशकाल वनमंडल और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वन्य जीव संरक्षण का अर्थ जंगली जानवरों, पक्षियों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा करना है, ताकि जैव विविधता बनी रहे और पारिस्थितिक संतुलन न बिगड़े। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अवैध शिकार, व्यापार और आवास विनाश को रोकना और वन्य प्रजातियों की रक्षा करना अनिवार्य है। यह पारिस्थितिक तंत्र के लचीलेपन और भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। वन विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया, जिसमें एक कर्मचारी ने खरीदार बनकर तस्करों से संपर्क किया। जैसे ही आरोपी मोटरसाइकिल और एक वाहन में तेंदुए की खाल लेकर रसगांव-बड़ेडोंगर मार्ग स्थित ग्राम बैलगांव पहुंचे, टीम ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि तेंदुए का शिकार लगभग 7 महीने पहले अवैध हथियार (भरमार बंदूक) से किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर मुख्य आरोपी को अगले दिन नारायणपुर जिले के ग्राम बोरावण्ड से गिरफ्तार किया गया तथा शिकार में प्रयुक्त बंदूक भी जब्त की गई। बरामद तेंदुए की खाल की लंबाई 195 सेंटीमीटर और चौड़ाई 45 सेंटीमीटर पाई गई। वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम के निर्देशन में आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 (संशोधित 2022) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी और योजनाबद्ध कार्रवाई, 9 आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम काम्बले (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में, पुलिस उपायुक्त (क्राइम और साइबर) स्मृतिक राजनाला, पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश गुप्ता, पुलिस उपायुक्त (उत्तर क्षेत्र) मयंक गुर्जर, और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) संदीप पटेल के सतत मॉनिटरिंग में छत्तीसगढ़ पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के खिलाफ एक बड़ी और योजनाबद्ध कार्रवाई की है। एसीसीयू, एएनटीएफ और संबंधित थानों की संयुक्त टीम ने एक विशेष अभियान के तहत 3 आरोपियों पर केस दर्ज अंतरराज्यीय गांजा तस्करों पर छापेमारी की। इस अभियान के दौरान उड़ीसा के पांच जिलों - बरगढ़, बलांगीर, टिटलागढ़, बौध और कंधमाल में एक साथ दबिश दी गई और गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। क्राइम ए.सी.पी. डॉ. नरेश पटेल के नेतृत्व में 48 घंटे से अधिक समय तक 50 सदस्यों की टीम ने इस अभियान में भाग लिया और शुरू से अंत तक विवेचना के तहत छह अलग-अलग प्रकरणों में कुल 9 अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने महिला समूहों को 11.43 करोड़ रुपए की राशि की अंतरित

सरस मेला से महिला समूह के उद्यमिता को मिलेगी व्यापक पहचान- उपमुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत सरदार पटेल मैदान कवर्धा में आयोजित चार दिवसीय संभागीय सरस मेला का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत 11.43 रुपए की सहायता राशि के चेक वितरण किए, जो महिला समूहों के आजीविका संवर्धन में सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कवर्धा चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओं अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी स्टालों का निरीक्षण कर महिला समूह के सदस्यों से उनके व्यवसाय की जानकारी ली। स्टाल में दीदियों से चर्चा करते हुए व्यवसाय के लिए कच्चे माल उसके उत्पादन और विक्रय की जानकारी ली। लखपति दीदियों से बात करते हुए उन्होंने कहा की ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार का मजबूत आधार स्तंभ बनकर उभरी है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि संभागीय सरस मेला के आयोजन से दुर्ग संभाग के सभी सात जिलो के महिला स्व सहायता की दीदीयां लाभान्वित हो रही हैं। समूह द्वारा बनाये गए दैनिक उपयोग के आकर्षक सामाग्री, जैविक खादय पदार्थ एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं को विक्रय के लिए उचित मंच मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन राज्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। इस आयोजन से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक लाभ होगा जिससे वे आत्मनिर्भर होने की दिशा मे आगे बढ़ेगी। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिलाओं की पूरी भागीदारी हो और वे अपने लघु व्यवसाय से उद्यमी की पहचान हासिल कर सके। मेले में आए सभी स्व सहायता समूह की दीदियों को उपमुख्यमंत्री ने उनके व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि इस आयोजन से क्षेत्र की जनता को लाभ होगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में 2 लाख 69 हजार से अधिक महिला स्व सहायता समूह संचालित हैं, जिनसे लगभग 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा दीदी के गोठ कार्यक्रम का भी संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने नवाचारी कार्यों को साझा करती हैं। यह कार्यक्रम हिंदी के साथ-साथ गोंडी और हल्बी भाषा में भी संचालित किया जा रहा है, जिससे बस्तर अंचल की महिलाएं भी इसे आसानी से समझ पा रही हैं। इससे प्रदेशभर में महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी एक-दूसरे तक पहुंच रही है। प्रदेश में 300 महतारी सदनों का निर्माण भी किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार महिलाओं और बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन राशि अब उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए हर ग्राम पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं। उन्होंने बनासकांठा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि वहां सहकारी (कॉपरेटिव) मॉडल के माध्यम से महिलाएं बड़े उद्योगों से जुड़कर व्यापक स्तर पर दुग्ध उत्पादन कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे बड़े उद्योगों का संचालन कर सकती हैं। उन्होंने आगे बताया कि सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म एप्लीकेशन विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इस एप के माध्यम से आम नागरिक सीधे महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री को आसानी से खरीद सकेंगे, जिससे महिलाओं को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इन आवासों के निर्माण में अब महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं डीलर दीदी के रूप में जुड़कर छड़ और सीमेंट की सब-डीलर बन रही हैं। इसके साथ ही वे सेंट्रिंग प्लेट निर्माण जैसे कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि आज सरस मेला में बैंक लिंकेज के तहत 10 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया जाएगा। 271 महिला स्व सहायता समूहों को 40 लाख 65 हजार रुपए की चक्रीय निधि दी जाएगी। इसी प्रकार 172 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत सीएफएल के माध्यम से 1 करोड़ 3 लाख 20 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। जिससे महिलाएं अपने व्यवसाय को और मजबूत बना सकेंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का प्रयास है कि महिला समूहों को अधिक से अधिक संख्या में स्व रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह सरस मेला महिला समूहों के उत्पादों के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध करा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने सरस मेला आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसका 23 मार्च से 26 मार्च तक होगा। मेले में सभी आयु वर्ग के लोगो के लिए महिला समूह द्वारा तैयार किये गये आकर्षक सामान उपलब्ध है। मिलेट से बने अनेकों प्रकार के बिस्कुट, आचार, पापड़, फिनायल, दोना-पत्तल, अगरबत्ती, बिरनमाला एवं हैण्डलूम के बने बैग ईत्यादी स्थानीय स्तर पर तैयार किये गये है। उल्लेखनीय है कि इस संभागीय सरस मेले में कबीरधाम जिले के साथ-साथ जिला राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, खैरागढ़-छूईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी के महिला स्व सहायता समूह द्वारा प्रदर्शनी लगायी गई है।

सम्पादकीय

एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं

तकनीक का हर नया दौर अपने साथ संभावनाओं का उजाला और आशंकाओं की छाया दोनों लेकर आता है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां उससे हमारी उम्मीदें भी बहुत बड़ी हैं और सावधानियां भी उतनी ही जरूरी। हाल ही में जस्टिस सूर्यकांत ने जो बात कही, वह सिर्फ न्यायपालिका ही नहीं, पूरे समाज के लिए एक दिशा-सूचक सिद्धांत है यानी एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं। बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय पर सीजेआई ने स्पष्ट किया कि एआई को न्यायिक प्रणाली में इस तरह शामिल किया जाना चाहिए, जिससे वह व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसकी मूल आत्मा को कमजोर कर दे। यह कथन केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि भविष्य की न्याय व्यवस्था का खाका भी है। आज अदालतों में लंबित मामलों का अंबार है। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, दस्तावेजों का भारी बोझ और जटिल प्रक्रियाएं, ये सब न्याय की गति को धीमा कर देते हैं। ऐसे में एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर डेटा संभालने, पैटर्न पहचानने और प्रक्रियागत देरी को कम करने में बेहद उपयोगी हो सकता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या एआई को फैसले सुनाने का अधिकार मिलना चाहिए? यहीं पर सीजेआई की बात सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। न्याय केवल तथ्यों का गणित नहीं है, यह मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और परिस्थितियों की गहराई से जुड़ा हुआ है। एक जज अपने अनुभव, विवेक और तर्कशक्ति के आधार पर निर्णय लेता है। एआई, चाहे कितना भी उन्नत क्यों न हो, इन मानवीय गुणों की बराबरी नहीं कर सकता। एआई के निर्णय पूरी तरह उसके प्रशिक्षण डेटा पर आधारित होते हैं। यदि उस डेटा में कोई पक्षपात या कमी है तो उसका असर फैसलों पर भी पड़ सकता है। इससे न्याय की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि एआई को केवल एक सहायक उपकरण के रूप में सीमित रखना ही बुद्धिमानी है। इसके अलावा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पारदर्शिता भी दांव पर लग सकती है। यदि फैसले एआई पर निर्भर होने लगें तो जवाबदेही किसकी होगी। मशीन की या उसे बनाने वाले प्रोग्रामर की? यह एक जटिल नैतिक और कानूनी प्रश्न है, जिसका अभी स्पष्ट उत्तर नहीं है। इसलिए जरूरी है कि अंतिम निर्णय का अधिकार हमेशा इंसानों के पास ही रहे। दरअसल, एआई का सही उपयोग वहीं है, जहां वह इंसानी क्षमता को बढ़ाए, न कि उसे प्रतिस्थापित करे। जैसे एक अच्छा सहायक अपने मालिक के काम को आसान बनाता है, वैसे ही एआई को भी न्यायाधीशों और वकीलों के लिए एक सहायक की भूमिका निभानी चाहिए। दिशा तय करने का अधिकार हमेशा इंसानी बुद्धि और विवेक के पास ही रहना चाहिए। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है, तब यह संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। तकनीक को अपनाना समय की मांग है, लेकिन आंख मूंदकर उस पर निर्भर हो जाना खतरनाक हो सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि न्याय, अंततः इंसानों के लिए और इंसानों द्वारा ही किया जाने वाला कार्य है। यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई एक शक्तिशाली साधन है, लेकिन उसकी शक्ति का सही उपयोग ही उसे वरदान या अभिशाप बनाता है। जस्टिस सूर्यकांत का यह संदेश हमें याद दिलाता है कि तकनीक को अपने नियंत्रण में रखना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

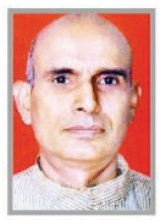

दृष्टिकोण
अखिलेश आर्येन्दु

पश्चिम एशिया संघर्ष से बढ़ती दुश्वारियां

जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होता जा रहा है, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश देशों में तमाम तरह की समस्याएं और संकट बढ़ता जा रहा है। इसका असर आर्थिक क्षेत्र में पड़ ही रहा है, साथ ही होटल, पर्यटन उद्योग, चिकित्सा पर्यटन, पर्यावरण, जहाजरानी, एयरलाइंस (उड़ानों), ऊर्जा सुरक्षा, धर्मशाला पर्यटन, गैस संकट, उद्योग धंधों और शेयर बाजार पर गहराई से पड़ा है। अभी कहना मुश्किल है कि कब तक यह संघर्ष चलेगा और कितनी गंभीर समस्याएं और बढ़ेंगी। हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं।

संघर्ष के 20 दिन गुजर गए हैं। इन बीते दिनों में पश्चिम एशिया के देशों के संघर्ष के दौरान मिसाइलों, ड्रोन, बमों और दूसरे हथियारों के इस्तेमाल से सबसे ज्यादा विनाश हुआ है तो वह है पर्यावरण का। संघर्ष से महज वायु प्रदूषित नहीं हुई है बल्कि जल, भूमि और पारिस्थितिक तंत्र की अपूरणीय क्षति हुई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संघर्ष की वजह से भारी तादाद में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है जिससे 33.2 से ज्यादा मिलियन मीट्रिक टन कार्बनडाइआक्साइड के बराबर जहरीली गैसों का उत्सर्जन हुआ है, जो जार्डन जैसे देश के कुल वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। वहीं पर तेल रिफाइनरियों और गैस प्लांटों पर हमले से काली बारिश जैसे मंजर दिखाई देने लगे हैं। इससे इजराइल, ईरान, कुवैत, अरब अमीरात जैसे देशों में ही वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा हुई है, बल्कि पश्चिम एशिया के तमाम देशों तक इसका गंभीर असर दिखाई देने लगा है। बेतहाशा बमबारी की वजह से तमाम शहरों में मलबों का अंबार लग गया है और खतरनाक रसायन मिट्टी और भूजल में मिल रहे हैं। इससे समुद्र, नदी, पाताल सभी जगह का पानी जहरीला होता जा रहा है। तमाम इलाकों में पीने वाले पानी की ही किल्लत पैदा नहीं हुई है, बल्कि सिंचाई व घरेलू इस्तेमाल में आने वाले पानी की किल्लत हो गई है। बमबारी और मिसाइलों से तहस-नहस हुए इलाकों का डरावना मंजर देखकर युद्ध की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। समाचार एजेंसियों के मुताबिक मलबा इतना ज्यादा है कि युद्ध रुकने के बाद भी ऐसे इलाकों में रहना मुमकिन नहीं होगा, क्योंकि बमों से निकले जहरीले रसायनों और गैसों से महीनों तक वातावरण पूरी तरह जहरीला बना रहेगा। बहुत बड़ी तादाद में होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल के जहाज तैर ही नहीं रहे हैं, बल्कि समुद्र में बहुत बड़ी तादाद में तेल फैल रहा है। इससे समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। इस नुकसान की भरपाई कर पाना नामुमकिन बताया जा रहा है। जाहिर तौर पर पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहे खाड़ी क्षेत्र के देशों के लिए पानी की बढ़ती किल्लत से जल संकट बढ़ रहा है, जिससे हालात और भी ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। जितनी समस्याएं, संकट और दुश्वारियां बढ़ रही हैं, वे बढ़ते संघर्ष का नतीजा है। इसलिए युद्ध रुकवाना सबसे जरूरी है। संघर्ष रुकवाने की जितनी कोशिशें अभी तक हुई हैं, वे नाकाम साबित हुई है। इसका असर लोगों में

दहशत, पलायन और भुखमरी के रूप में सामने आया है।

जानकारों के मुताबिक संघर्ष की वजह से 2026 में मध्य-पूर्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की तादाद में 11 से 27 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है। इससे पर्यटन क्षेत्र में 34 से 56 मिलियन डालर का नुकसान होने की उम्मीद है। भारत सहित कई देशों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आए दिन रद्द हो रही हैं। इससे पर्यटकों की तादाद में भारी कमी देखी जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास संघर्ष की वजह से पर्यटकों की आवाजाही पर प्रतिकूल असर देखा जा रहा है। होटलों, धर्मशालाओं की बुकिंग में भारी कमी आई है। वहीं, उद्योग धंधों पर भी असर पड़ा है। पिछले 20 दिनों से जारी संघर्ष का असर भारत सहित एशिया के देशों पर पड़ा है। उद्योग जगत पर इसका सीधा असर देखा जा रहा है। गैस संकट की वजह से भारत में उन उद्योगों पर गहरा असर दिखाई दे रहा है, जहां गैस की खपत ज्यादा होती थी। सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय उद्योग धंधों में 30 प्रतिशत से अधिक की उत्पादन में कमी आई है। बड़ी विनिर्माण कंपनियों से लेकर सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों तक तमाम कंपनियां उत्पादन के मामले में बहुत अधिक संघर्ष कर रही हैं। कच्चा माल और पर्याप्त ईंधन न मिलने की वजह से भी उत्पादन में भारी गिरावट आई है। स्टील, पेंट, आयरन उत्पादन, बड़े उत्पादन क्षेत्रों में कार्यरत रसोई, मशीन निर्माण सहित तमाम क्षेत्रों पर गैस की कमी की बात कही जा रही है। भारतीय होटलों, ढाबों, रेस्तरांओं और कैंटीनों में भी गैस की समस्या की बात कही जा रही है। भारत में यह बड़े स्तर पर नहीं है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यदि संघर्ष का दौर आगे बढ़ता जाएगा तो समस्या आनी तय है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बमबारी और मिसाइलों के हमलों से निकल रही जहरीली गैसें उन देशों तक पहुंच सकती हैं जो देश इस संघर्ष में किसी भी तरह शामिल नहीं हैं। यही नहीं, संघर्ष पर नजदीक से नजर रखने वाले पर्यटक और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम के तमाम मुल्कों में युद्ध में विस्थापित लोगों के पुनर्वास की समस्या विकराल हो सकती है, जिससे देशों के सीमा से सटे देश में सुरक्षा की बहुत बड़ी समस्या पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है पिछले दो सालों में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन से हजारों की तादाद में लोग को अपना पुश्तैनी निवास छोड़कर उन जगहों पर शरण लेनी पड़ी, जहां उनके योग-क्षेम की व्यवस्था बहुत कम थी। युद्ध विस्थापकों की समस्या दुनिया की तमाम विस्थापित समस्याओं में बहुत गंभीर देखी गई है। ईरान और दूसरे देशों से विस्थापित लोग उस तरफ रुख कर रहे हैं, जहां वे अपने लिए सुरक्षित समझ रहे हैं। इनकी मदद की अपील दुनिया के तमाम मानवाधिकार पर कार्य करने वाली संस्थाएं कर रही हैं, लेकिन अभी वैसी मदद इन्हें नहीं मिल रही है, जिसकी इन्हें जरूरत है। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुनिया में हाहाकार मचा था। जापान सहित दुनिया के तमाम देशों के हालात बेहद नाजुक हो गए थे। इस संघर्ष को लेकर भी कहा जाने लगा है कि यदि समझदारी और संवाद के जरिए युद्ध खत्म करने पर रजामंदी नहीं हुई तो, एक बार फिर दुनिया एक नए विश्व युद्ध के दायरे में आ सकती है।

भारत अपनी कूटनीति और रणनीति के जरिए पूरी कोशिश में है कि जितनी जल्द हो सके, संघर्ष विराम के लिए तीनों देश रजामंदी कर लें। भारत कहता रहा है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। इससे सभी देशों में संकट और समस्याएं बढ़ेंगी। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

शहीदी दिवस
डॉ. घनश्याम बादल

स्वाधीनता की दहाड़ और इंकलाब की अनुगूंज

आज है 23 मार्च। एक ऐसी शख्सियत को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने का दिन। 28 सितंबर 1907 को वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लायलपुर में जन्मे, अपनी जवानी को मातृभूमि पर चढ़ाने वाले उस जोशीले नौजवान का नाम था भगत सिंह, जिसे उसकी दादी 'भागोंवाला' कहा करती थी। शायद उसका जन्म ही आजादी दिलवाने के लिए हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विराट आख्यान में भगत सिंह का नाम केवल एक क्रांतिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक विचार, एक चेतना और एक सतत प्रतिरोध की परंपरा रूप में दर्ज है। अंग्रेजी सत्ता के मन में उनका कितना भय था, यह इसी से पता चलता है कि उनकी फांसी की तारीख 24 मार्च तय हुई थी, लेकिन 23 मार्च को ही सुबह 7:30 बजे उन्हें राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी पर चढ़ा दिया गया था। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, तब वे महज 23 वर्ष के थे, किंतु उनकी वैचारिक परिपक्वता, वैचारिक निर्भीकता और राजनीतिक स्पष्टता ने उन्हें अपने समय से कहीं आगे खड़ा कर दिया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल एक औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उस असहज प्रश्न से सामना करना भी है कि क्या हमने उस भारत का निर्माण किया, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। भगत सिंह का जीवन एक साधारण देशभक्त युवक से एक प्रखर वैचारिक

क्रांतिकारी बनने की यात्रा है। जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर जो अमिट छाप छोड़ी, उसने उनके भीतर अंग्रेजी सत्ता के प्रति गहरा आक्रोश पैदा किया। किशोर अवस्था में ही उन्होंने खेतों में खून से सनी मिट्टी को बोतल में भरकर अपने साथ रखा। यह प्रतीक था उस प्रतिज्ञा का, जो उन्होंने अन्याय के विरुद्ध ली थी। आगे चलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़कर उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों को संगठित रूप दिया। कार्ल मार्क्स, लेनिन और अन्य समाजवादी चिंतकों के साहित्य ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। उनकी प्रसिद्ध उक्ति "क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है" इस बात का प्रमाण है कि वे विचारों की शक्ति को सर्वोपरि मानते थे। उनकी शायरी और लेखन में भी यह वैचारिक ताप स्पष्ट दिखाई देता है-चाहे वह "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है" जैसी पंक्तियों के प्रति उनका अनुराग हो या जेल में लिखे गए उनके लेख, जिनमें एक स्वतंत्र, समतामूलक और वैज्ञानिक दृष्टि वाले समाज की परिकल्पना झलकती है। सांडर्स हत्याकांड और केंद्रीय विधानसभा बम कांड में उनकी भूमिका ने ब्रिटिश सरकार को उन्हें एक ख़तरनाक क्रांतिकारी के रूप में स्थापित करने का अवसर दिया। किंतु यह भी उतना ही सच है कि असेंबली में फेंका गया बम जान लेने के लिए नहीं, बल्कि "बहरों को सुनाने" के लिए था। उन्होंने स्वयं गिरफ्तारी दी ताकि अदालत को अपने विचारों के प्रचार का मंच बना सकें। यह एक असाधारण राजनीतिक रणनीति थी, जिसने उन्हें एक सच्चा सरदार और जननायक बना दिया। जेल में उनके संस्मरण और लेखन उनकी वैचारिक ऊंचाई को और स्पष्ट करते हैं। "मैं नास्तिक क्यों हूं" जैसे लेख में उन्होंने धार्मिक आस्थाओं पर प्रश्न उठाते हुए तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समर्थन किया। उनके द्वारा की गई लंबी भूख हड़ताल, जिसमें उन्होंने भारतीय कैदियों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई, उनके मानवीय और नैतिक पक्ष को उजागर करती है। आज के संदर्भ में भगत सिंह की प्रासंगिकता केवल एक क्रांतिकारी प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि एक वैचारिक मार्गदर्शक के रूप में अधिक महत्वपूर्ण है। उनकी शहादत हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्रभक्ति केवल भावनात्मक आवेग नहीं, बल्कि एक विवेकपूर्ण और जिम्मेदार प्रतिबद्धता है। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अध्ययन जारी रखा, विचार किया और अपने समय की राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण किया। यह बौद्धिक ईमानदारी ही उन्हें अन्य क्रांतिकारियों से अलग करती है। आज जब हम उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हैं तो यह आवश्यक है कि हम उन्हें केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित न करके रह जाएं। भगत सिंह का असली सम्मान तभी होगा जब हम उनके विचारों-वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय और निर्भीक अभिव्यक्ति-को अपने जीवन और समाज में आत्मसात करें। उनकी शहादत एक ऐतिहासिक घटना भर नहीं, बल्कि एक सतत प्रेरणा है, जो हर पीढ़ी से यह प्रश्न पूछती है कि क्या हम उस आजादी के योग्य हैं, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हृदय का करें अनुसरण

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके।

संकलित
दर्शन

पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि।

सेवा का समर्पण भाव

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो

संकलित
प्रेरणा

राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैंने समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैंने सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। बिना सोचे समझे पहले ही किसी पर अपनी नाराजगी जाहिर करना ठीक नहीं।

अंतर्मन

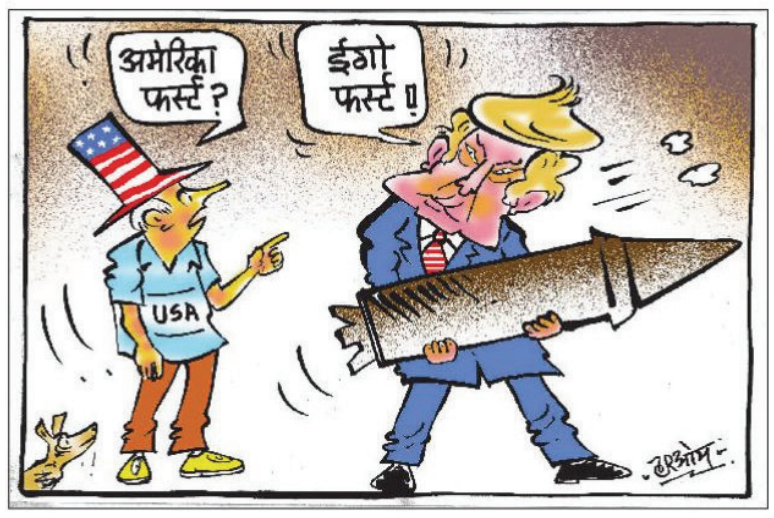

आज की पाती

याद रखना हमेशा, वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर, 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। तब से हर वर्ष की 21 मार्च को यह दिवस मनाया जाता रहा है। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि यह हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि अब वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है। वनों की रक्षा के लिए सरकार, नागरिकों तथा संस्थाओं को मिल कर काम करना होगा।

- जगमोहन साहू, रायपुर

ट्रेंड

नए युग को आकार

मोदी जी की दशकों की सेवा ने एक नए युग को आकार दिया है। चाहे गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास में नए मुकाम हासिल करना हो या वैश्विक मंचों पर राष्ट्र का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

आयुष्मान भारत योजना

हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का निर्णय लिया ताकि जरूरतमंद परिवारों को 10 लाख तक के मुफ्त इलाज का सहारा मिल सके। आज 7 लाख से ज्यादा परिवारों के पास आयुष्मान भारत योजना का सुरक्षा कवच है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हवाई यात्रा का किराया

हवाई यात्रा का किराया मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। मोदी सरकार हवाई किराए पर लगी सीमा को हटा रही है, जिससे टिकटों की कीमतों में भारी मुद्रास्फीति हो सकती है। सरकार को हवाई किराए को अधिक प्रभावी ढंग से विनियमित करने पर काम करना चाहिए।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

चाटुकारिता की दुकानें

गैस ने 'चाट' की दुकाने बंद कर दी है और जनता का विरोध देखकर 'चाटुकारिता' की भी दुकाने जल्दी ही बंद हो जाएंगी... उनके शटर गिरना तो शुरू हो ही चुके है...बस ताला लगना बाकी है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' जानलेवा है: नया अध्ययन

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' (जीवाणु जनित मस्तिष्क ज्वर) एक बार फिर दुनियाभर में सुर्खियों में है। इस बीमारी के हाल में सामने आए मामले न्यूजीलैंड के ओटागो विश्वविद्यालय और इंग्लैंड के केंट विश्वविद्यालय से जुड़े हैं। 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' को एक गंभीर और जानलेवा बीमारी माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि इससे संक्रमित लगभग हर छह में से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है, भले ही उसे तुरंत चिकित्सकीय देखभाल और एंटीबायोटिक उपचार मिला हो। यह आंकड़ा भयावह है जिस पर अकसर बात होती है लेकिन इस बारे में अधिक बात नहीं की जाती कि इस अत्यधिक संक्रामक रोग से बच जाने वाले लोगों के साथ भविष्य में क्या होता है। 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' संबंधी अधिकतर शोध का रुख लगभग एक जैसा रहा है और उनमें मुख्य रूप से उस गंभीर चरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है जब लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं और उनका उपचार चल रहा होता है लेकिन इससे इस धारणा को भी बल मिलता है कि 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' एक अल्पकालिक बीमारी है जबकि ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य बताते हैं कि अधिकतर मरीजों को इलाज के काफी बाद तक भी शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर इसके असर झेलने पड़ते है।

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3 .4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है। हाल के वर्षों में ब्रिटेन और अन्य जगहों पर बगीचों, सामुदायिक उद्यानों और आवंटित भूमि पर ताजा फसल एवं सब्जियां उगाने में दिलचस्पी फिर से बढ़ी है।

खबर संक्षेप

पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर अरेस्ट

चंडीगढ़। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया। जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने उन पर आरोप लगाए थे।

आर्यन खान को बख्शने के लिए रिश्वत नहीं मांगी

मुंबई। मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व

निदेशक समीर वानखेड़े ने मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान से उनके बेटे आर्यन खान को मादक पदार्थ मामले में राहत देने के लिए कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली।

25 करोड़ की ठगी करने वाले दंपती गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक दंपती जेसन डिसूजा और लवीना को

कथित तौर पर सैकड़ों नौकरी चाहने वालों को कोर्ट सिस्टम में सरकारी पदों का वादा करके ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले के जरिए उन पर करीब 25 करोड़ रुपए की हेराफेरी का आरोप है।

लोकसभा सीटें 50% बढ़ेंगी, महिलाओं को मिलेगा 33% रिजर्वेशन

संशोधन बिल लाने की तैयारी में सरकार, इसी सत्र में पेश होगा, शाह की विपक्षी दलों से चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महिलाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अब संसद में संशोधन विधेयक लाएगी। इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी। 816 सदस्यों वाली लोकसभा में 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। बता दें, नारी शक्ति वंदन अधिनियम जो संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था, उसमें यह प्रावधान था कि यह नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा।

अब सूत्रों का कहना है कि सरकार इस हफ्ते नारी शक्ति अभिनंदन अधिनियम बिल में संशोधन लेकर आएगी। बता दें कि मूल कानून में यह शर्त थी कि महिला आरक्षण तभी लागू होगा, जब नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। अब सरकार इस शर्त को संशोधित कर जल्द से जल्द कानून लागू करने के विकल्प तलाश रही है।

इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी

816 होंगे लोकसभा सांसद

273 सीटें महिलाओं के लिए

संसद भवन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह — फाइल फोटो

50 प्लस 33 का एक मास्टर फॉर्मूला तैयार

सरकार ने 50+33 का एक मास्टर फॉर्मूला तैयार किया है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। नए प्रस्ताव के तहत 50% वृद्धि के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 816 हो जाएगी। इन 816 सीटों में से 33% यानी एक तिहाई करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए अब अगली जनगणना का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साल 2029 का लोकसभा चुनाव इसी नए बिल और नई परिसीमन व्यवस्था के आधार पर लड़ा जाएगा।

सीसीपीए में दिया था जोर

हाल ही में संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने 2029 तक महिला आरक्षण को हर हाल में लागू करने के अपने विजन पर जोर दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के कई बड़े नेताओं को इस प्रस्तावित रोडमैप की जानकारी दी है। विपक्ष सैद्धांतिक तौर पर महिला आरक्षण का समर्थन करता रहा है, लेकिन सीटों के बंटवारे और परिसीमन को लेकर सर्वसम्मति बनाने के लिए बातचीत का दौर जारी है।

दो-तिहाई समर्थन जरूरी

अगर सरकार परिसीमन से पहले महिला आरक्षण लागू करना चाहती है तो इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा। इसके तहत संसद के दोनों सदनों में बहुमत आवश्यक होगा, जिसमें उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में दो-तिहाई समर्थन जरूरी है। यह प्रक्रिया भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 के तहत पूरी की जाएगी।

लॉटरी सिस्टम से तय होंगी सीटें

यह तय करने के लिए कि कौन सी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी, 'ड्रॉ ऑफ लॉट्स' (लॉटरी सिस्टम) का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे रोटेशन और निष्पक्षता बनी रहेगी।

कर और अर्थव्यवस्था पर होगा बड़ा असर

लोकसभा में पेश किया वित्त विधेयक 2026

वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 को भी लोकसभा में पेश किया, और निचले सदन ने इसे आगे की

जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मंजूरी दे दी। इससे केंद्रीय बजट 2026-27 में पेश किए गए प्रस्तावों को कानूनी ढांचा मिलेगा। पारित होने के बाद, घोषित आयकर दरों, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क में परिवर्तन प्रभावी हो जाएंगे। विधेयक का उद्देश्य एलएलपी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है।

पीएम ने कुछ नया नहीं कहा संसद में हो चर्चा: प्रियंका

प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम नरेंद्र मोदी के पश्चिम एशिया पर दिए गए बयान को लेकर

सवाल उठाए हैं और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम ने कोई नई बात नहीं कही। देश को सिर्फ जानकारी दी गई, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर सभी पक्षों की राय सामने आनी चाहिए।

राहुल ने भाजपा पर साधा निशाना

आदिवासियों को 'वनवासी' कहना संविधान का अपमान

एजेंसी ▶▶ वडोदरा

गुजरात दौरे पर गए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन में राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का अपमान है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल आदिवासी समाज की पहचान को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की विरासत और उनके विचारों पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ लोग संविधान की बात करते हैं, लेकिन वही लोग आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं।

संविधान सिर्फ किताब नहीं

सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि यह देश की सोच और हर नागरिक के अधिकारों की गारंटी है, जिसमें हजारों साल पुराने विचार शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के नेता एक तरफ महान नेताओं की मूर्तियों के सामने सम्मान दिखाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर करते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आदिवासियों को वनवासी कहना उनकी पहचान पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी जमीन, जल और जंगल छीनकर कॉर्पोरेट्स को दिए जा रहे हैं, जो संविधान और बिरसा मुंडा के आदर्शों के खिलाफ है। राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर कहा कि पहली बार भारत का कृषि क्षेत्र अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस फैसले से देश के किसानों पर असर पड़ सकता है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन केस में ट्रायल पर रोक

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है, जिसमें चार्जशीट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, अखिलेश यादव, डीएमके नेताओं कनिमोझी, ए. राजा, सीवीएमपी एझिलारासन समेत अन्य के नाम शामिल हैं। यह मामला फरवरी 2025 में जंतर-मंतर पर यूजीसी के ड्राफ्ट दिशानिर्देशों के खिलाफ कथित रूप से बिना अनुमति आयोजित किए गए प्रदर्शन से जुड़ा है। डीएमके नेता सीवीएमपी एझिलारासन ने एफआईआर रद्द करने की मांग की है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामला राउज एवेन्यू कोर्ट में लंबित है, हालांकि अभी तक अदालत ने संज्ञान नहीं लिया है।

आज विश्व टीबी दिवस: टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई तेज हुई

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लॉन्च की तीन बड़ी पहल

नोएडा से आज जेपी नड्डा लॉन्च करेंगे 100 दिन का अभियान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह आयोजन यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पीएम नरेंद्र मोदी के टीबी-मुक्त भारत के विजन के अनुरूप, टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की प्रगति को दर्शाना है। यह राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों, नवोन्मेषी रणनीतियों और मजबूत सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

टीबी मुक्त भारत एप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ होगा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा

टीबी के मामलों की तेजी से पहचान करेंगे

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस अवसर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन का सघन टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाएंगे और टीबी मुक्त भारत ऐप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ करेंगे। इन पहलों का लक्ष्य टीबी के मामलों की तेजी से पहचान करना, उपचार के प्रति समर्पण को बढ़ावा देना और टीबी सेवाओं की डिलीवरी को सुदृढ़ करना है।

संकल्प: हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं!

ये प्रयास विश्व टीबी दिवस 2026 का विषय 'हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं!' के अनुरूप हैं और टीबी के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ये प्रयास पीएम नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और उनकी कार्रवाई के आह्वान को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने टीबी-मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के देश के संकल्प पर जोर देते हुए यह संदेश दिया है कि हां, हम टीबी को खत्म सकते हैं।

विश्व से पहले हासिल करेंगे लक्ष्य

विश्व टीबी दिवस 2026 का आयोजन टीबी उन्मूलन से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को वैश्विक लक्ष्यों से पहले हासिल करने की दिशा में भारत के संकल्प को रेखांकित करता है। यह आयोजन टीबी को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त करने के लिए बहुक्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की पुष्टि करेगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शामिल होंगे।

एआई कौशल और डिजिटल कंटेंट को मिलेगा बढ़ावा, गूगल और यूट्यूब के साथ 'समझौता'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सुलभ प्रौद्योगिकी और मजबूत डिजिटल कंटेंट इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन नई पहलों का अनावरण किया। इन पहलों में एआई कौशल प्रशिक्षण, लोगों के लिए कंटेंट प्लेटफॉर्म और टीवी देखने की सुविधा को आसान बनाना शामिल है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गूगल और यूट्यूब के साथ साझेदारी में 15,000 रचनाकारों और मीडिया पेशेवरों के लिए राष्ट्रीय एआई कौशल प्रशिक्षण पहल शुरू की है। जो 23 मार्च से 30 जून तक चलेगा।

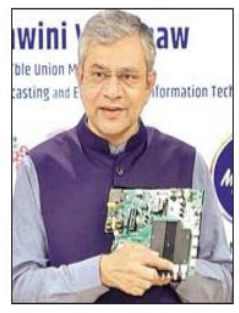

'मायवेव्स' फीचर लॉन्च

मंत्रालय ने वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म के तहत 'मायवेव्स' फीचर लॉन्च किया है। यह एक यूजर-जनरेटेड कंटेंट प्लेटफॉर्म है, जहां लोग अपनी सामग्री बना, अपलोड और साझा कर सकेंगे। यह प्लेटफॉर्म शॉर्ट वीडियो, वर्टिकल वीडियो और एपिसोडिक कंटेंट जैसे कई फॉर्मेट को सपोर्ट करेगा।

डीडी फ्री डिश देखने सेटटॉप बॉक्स जरूरी नहीं

सरकार ने टीवी देखने के अनुभव को सरल बनाने के लिए बिल्ट-इन सैटेलाइट ट्यूनर वाले टीवी और नया उन्नत प्रोग्राम गाइड (ईपीजी) भी पेश किया है। अब दर्शकों को डीडी फ्री डिश चैनल देखने के लिए अलग से सेटटॉप बॉक्स की जरूरत नहीं होगी। इससे अतिरिक्त खर्च, वायरिंग और कई रिमोट के झंझट से राहत मिलेगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 08
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक झेलसाय पिता राम साय जाति गोड़ निवासी ग्राम शिवप्रसादनगर प.ह.न.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता का मृत्यु दिनांक 08/10/2012 को ग्राम. शिवप्रसाद नगर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पिता का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/03/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
स०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सायरा बानो पति ऐनुल आबेदिन, निवासी सदर रोड जूना गद्दीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-08 मोहल्ला जूना गद्दीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2918/14 रकबा 0.021/2 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 07/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क/ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारणको सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मजीत पिता- स्व. बागरसाय जाती - चमार निवासी ग्राम बंजा प.ह.न. 10 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक अपने नाती अनुज कुमार का जन्म दिनांक 01/01/2011 को ग्राम बंजा में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने नाती अनुज कुमार जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बंजा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 19/04/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला- सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती हेमा नामदेव पत्नि नीलकंठ निवासी अम्बिकापुर, नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर 02 मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 719/4 रकबा 273 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती बीना देवी पति गणेश सिंह निवासी पंचदेव मंदिर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 719/6 रकबा 273 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बाबू लाल पण्डो आ० राम दास निवासी कोल्डीहा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने बड़े भाई स्व. आलोक. आ० राम दास की दिनांक 31/05/2014 को स्थान निवास में हुई है आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा छ०ग०

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क /121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मजीत पिता- स्व. बागरसाय जाती - चमार निवासी ग्राम बंजा प.ह.न. 10 रा.नि.मं भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक की पुत्री कुमारी प्रतिभा का जन्म दिनांक 10/10/2011 को ग्राम बंजा में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री कुमारी प्रतिभा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बंजा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 17/04/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 22/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला- सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.202603021700028 /ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजीत ढाली आ. स्व. बरदाकांत ढाली, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 142, 143/1 रकबा क्रमशः 0.280, 0.160 हे० में से क्रमशः 10 डिसमिल, 40 डिसमिल (कुल 50 डिसमिल) भूमि कर्ज अदा करने, कृषि उपकरण ट्रैक्टर एवं थ्रेशर इत्यादि क्रय करने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका संध्या सिंह पति राजवर्धन सिंह, निवासी देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) को रू. 15,00,000/- (पन्द्रह लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/04/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

पंचमढ़ी एडवेंचर शिविर हेतु 40 सदस्यीय स्काउट-गाइड दल हुआ रवाना

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य के तत्वावधान में आयोजित 11वें राज्य स्तरीय स्पेशल एडवेंचर शिविर में भाग लेने कलेक्टर एस. जयवर्धन और जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर अजय मिश्रा के निर्देशन में जिले से 40 सदस्यीय स्काउट-गाइड दल म.प्र. के पंचमढ़ी के लिए रवाना हुआ।

यह शिविर 25 से 29 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रदेश भर से प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। जिला प्रशिक्षण आयुक्त गोवर्धन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले को इस शिविर के लिए 40 प्रतिभागियों का कोटा प्राप्त हुआ था।निर्धारित संख्या के अनुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों से 18 स्काउट, 18 गाइड तथा 4 प्रभारी शिक्षक-शिक्षिकाओं - चन्द्रिका सिंह, योगेश साहू, कंचन लता टोप्पो एवं दीपा सिंह को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दल में शामिल कई छात्र-छात्राएं जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आते हैं, जिनमें से कई पहली बार रेल यात्रा का अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में यह शिविर उनके लिए न केवल प्रशिक्षण का अवसर है, बल्कि जीवन का एक यादगार और रोमांचक अनुभव भी साबित होगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भावना, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता का विकास करना है। शिविर के दौरान बच्चों को रॉक क्लाइंबिंग, मंकी ब्रिज क्रॉसिंग, वाटर एक्टिविटी, ट्रेकिंग, रैपलिंग, जिप लाइन, ऑब्स्टेकल रेस, नाइट ट्रेकिंग, कैम्प क्राफ्ट, प्राथमिक उपचार तथा सर्वाइवल स्किल्स जैसे विभिन्न साहसिक एवं उपयोगी प्रशिक्षण दिए जाएंगे। मंगलवार को सूरजपुर रेलवे स्टेशन पर दल को रवाना करने के लिए भारत स्काउट एंड गाइड जिला सचिव उमेश गुर्जर, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गोवर्धन सिंह, डीओसी बेलभद्र देवांगन, ब्लॉक सचिव विजेन्द्र साहू, अशोक दूबे सहित अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विश्व टीबी दिवस पर व्यापक जागरूकता अभियान आयोजित

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर कलेक्टर अजीत वसंत एवं जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल के मार्गदर्शन में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आज विश्व टीबी दिवस के अवसर पर आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यह अभियान विकासखंड की सभी 74 ग्राम पंचायतों एवं 35 स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीबी क्षय रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु लोगों को इसके लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। टीबी उन्मूलन के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा संभावित लक्षणयुक्त मरीजों की स्वास्थ्य जांच भी की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य से अवगत कराया गया और सभी से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग एवं एनआरएलएम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक टीबी से संबंधित आवश्यक जानकारी पहुंचाई जा सके।

शहीद दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि, भगत सिंह-सुखदेव-राजगुरु को किया नमन

छ.ग. फ्रंटलाइन भटगांव। तहसील चौक में भारत माता के अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीदी दिवस पर श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके देश के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अशोक सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य बीरेंद्र गुप्ता, भाजपा युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष राजू जायसवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री ओमकार सिंह मोनू, युवा मोर्चा भटगांव मंडल उपाध्यक्ष विकास राजवाड़े, महिला मोर्चा भटगांव मंडल अध्यक्ष पूनम तिवारी, अल्पसंख्यक मोर्चा भटगांव मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साथ ही रंजीत ठाकुर, सुशांत सिंह, विक्की सिंह, अयोध्या राजवाड़े, शंकर सिंह, प्रदीप, आकाश, मोनू, पिंटू, नीरज सिंह, किशन पांडे, गुड्डू राजवाड़े, राधे राजवाड़े, दुर्गावती सोनी, प्रमिला पटेल, राजकुमारी राजवाड़े, रामेश्वरी, वंदना टोप्पो, आशा भास्कर सहित अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। भाजपा युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष राजू जायसवाल ने कहा कि शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का बलिदान देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों ने हंसते-हंसते देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, जिसे देश कभी भुला नहीं सकता। आज के युवाओं को उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

एनएचएम संविदा में 75 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला आर.ओ.पी. वर्ष 2025-26 के स्वीकृत रिक्त पदों पर संविदा भर्ती की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा दिनांक 23 मार्च 2026 को विभिन्न सेवा प्रदाता एवं कार्यक्रम प्रबंधकीय पदों हेतु लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी कि परीक्षा परिणाम एवं भर्ती से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी जिले की आधिकारिक वेबसाइट 222. *surguja.gov.in* पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी इस पोर्टल के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हेण्डपम्प उगल रहा लाल पानी, अंधेरे में सिस्टम, महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में मरीज बेहाल

छ.ग. फ्रंटलाइन चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम महुली स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यहां न बिजली की व्यवस्था है और ना ही स्वच्छ पेयजल की, यहां पर एक हैंडपंप है जिससे लाल रंग का दूषित पानी निकल रहा है। ऐसे में यहां इलाज कराने पहुंच रहे मरीजों की हालत और भी दयनीय हो गई है। गर्मी की शुरुआत के साथ ही इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुलने लगी है। पहाड़ी और पहुंचविहीन इलाके के एक दर्जन से अधिक गांवों से मरीज इस केंद्र पर इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नसीब नहीं हो रही हैं। पहले क्रेडा विभाग द्वारा लगाए गए सोलर पावर प्लांट से यहां बिजली की व्यवस्था थी, लेकिन अब वह भी बंद हो चुका है। स्थिति यह है कि रात में मोबाइल और टॉर्च की रोशनी में इलाज करना मजबूरी है। अंधेरे के कारण इलाज व प्राथमिक जांच प्रभावित हो रही है तो आपातकालीन सेवाएं लगभग ठप्प पड़ गई है। उप स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगा एकमात्र हैंडपंप भी अब लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। ग्रामीणों के अनुसार हैंडपंप से लाल रंग का पानी निकल रहा है जो पीने योग्य नहीं है। मरीजों और परिजनों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। यहां पदस्थ डॉक्टर व स्टाफ भी परेशान है व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में स्वास्थ्यकर्मी भी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इलाज की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और मरीजों को सही समय पर सेवा नहीं मिल पा रही। ग्रामीणों की जिला प्रशासन से मांग है कि सोलर पावर प्लांट तत्काल चालू किया जाए और यहां लगे हैंडपंप की जांच कर शुद्ध पानी की व्यवस्था हो ताकि स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि यहां की हालत देखकर लगता है कि हमारी जिंदगी की कोई कीमत नहीं है। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र की यह तस्वीर विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में सूरजपुर का मान बढ़ाएंगे, छ.ग. बनेगा प्रतिभाओं का तीर्थ

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की धरती इस बार सिर्फ मेजबान नहीं बल्कि देश की आदिवासी प्रतिभाओं के उभरते इतिहास की साक्षी बनने जा रही है। 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर, अम्बिकापुर और जगदलपुर में आयोजित होने जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 ने प्रदेश में उत्साह की नई लहर जगा दी है।

इस भव्य आयोजन में जिले के लिए गर्व का एक विशेष अध्याय जुड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल रेफरी एवं वीर हनुमान अवार्डी मो. गौस बेग को विशेष आमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके वर्षों के समर्पण, निष्पक्ष निर्णय क्षमता और खेल के प्रति अटूट जुनून का राष्ट्रीय सम्मान है। जब मो. गौस बेग इस मंच पर कदम रखेंगे, तो वह पल सिर्फ उनकी उपलब्धि नहीं होगा, बल्कि पूरे सूरजपुर जिले की खेल चेतना का सम्मान होगा। यह संदेश भी गूंजेगा कि छोटे जिलों की प्रतिभाएं अब सीमाओं में कैद नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्षितिज को छूने की ताकत रखती हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मो. गौस बेग को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। बहरहाल यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा का उत्सव है, जहां परंपरा तालियों में गूंजेगी, संस्कृति रंग बिखेरेगी और प्रतिभा मैदान में इतिहास लिखेगी। जंगलों और पहाड़ों के बीच पनपती प्रतिभाएं अब राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान दर्ज कराने को तैयार हैं। आपकों बताते चलें कि उद्घाटन समारोह 25 मार्च को शाम 5 बजे रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में होगा, जहां मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय खेल मंत्री की अध्यक्षता में होने वाला यह समारोह प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम पन्ना जोड़ने जा रहा है। उपमुख्यमंत्री, खेल मंत्री सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति इसे और गरिमामयी बनाएगी। इस महाकुंभ में देशभर से आए खिलाड़ी तीरंदाजी, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी और भारोत्तोलन जैसे खेलों में अपना कौशल दिखाएंगे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन 27 मार्च तक

अम्बिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) हेतु ऑनलाइन पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया निर्धारित पोर्टल *http//postmatric-scholarship.cg.nic.in* के माध्यम से संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा जारी समय-सीमा के अनुसार विद्यार्थियों के नवीन एवं नवीनीकरण ऑनलाइन आवेदन/पंजीयन की अंतिम तिथि 27 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने की अंतिम तिथि 29 मार्च 2026, सैंक्शन लॉक करने की अंतिम तिथि 30 मार्च 2026 तथा जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रस्ताव प्रेषित करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित है।

जगपति के जीवन में बिहान ने दी आर्थिक सबलता और बनाया एक सफल उद्यमी

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की 'बिहान' योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्वावलंबन की नई रोशनी बिखेर रही है। जिले के ग्राम पंचायत की निवासी श्रीमती जगपति राजवाड़े आज एक सफल उद्यमी के रूप में उभरकर सामने आई हैं। कभी आर्थिक तंगी का सामना करने वाली जगपति अब न केवल अपने परिवार का संबल बनी हैं, बल्कि समाज में उनकी पहचान एक 'लखपति दीदी' के रूप में हो रही है।

समूह से मिला सहारा स्थापित की ईंट निर्माण इकाई- जय लक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं जगपति बताती हैं कि पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आगे बढ़ने का हौसला मिला। उन्होंने ईंट निर्माण का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया और समूह के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि से उन्होंने अपनी ईंट निर्माण इकाई स्थापित की, जो आज उनके परिवार की आय का मुख्य स्रोत बन गई है।

ईंटों की आपूर्ति आवास योजना में-जगपति के इस व्यवसाय को प्रधानमंत्री आवास योजना से बड़ा सहारा मिला है। उनके द्वारा निर्मित ईंटों की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर बन रहे आवासों के लिए की जा रही है। जगपति ने बताया कि इस काम से हुई कमाई से उन्होंने लोन की बड़ी किस्तें पटा दी हैं और अब उनका अपना पक्का मकान भी बन रहा है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूँ, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भैया को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।

जिले में महिला सशक्तीकरण को विशेष बढ़ावा- कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में सरगुजा जिले में महिला सशक्तीकरण को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 271 स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ईंट निर्माण इकाइयों का सफल संचालन किया जा रहा है। इन इकाइयों द्वारा निर्मित सामग्री का अधिकतम उपयोग शासन की विभिन्न आवास योजनाओं में किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को सीधा बाजार और सुनिश्चित आय प्राप्त हो रही है।

मिल रही है ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति- जिले में बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं को न केवल कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें बैंकिंग और बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। जगपति राजवाड़े जैसी हजारों महिलाएं आज 'लखपति दीदी' बनकर जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे रही हैं।

गांधी स्टेडियम में कुश्ती और मलखंभ के दांव-पेंच का आगाज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की धरा पर 25 मार्च से खेल और संस्कृति का अनूठा संगम होने जा रहा है। प्रदेश पहली बार देश के पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गे स 2026' की मेजबानी कर रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आयोजित इस खेल महाकुंभ का एक महत्वपूर्ण पड़ाव सरगुजा का अंबिकापुर होगा, जहां देश भर के जनजातीय खिलाड़ी अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। सरगुजा संभाग के खेल प्रेमियों के लिए यह आयोजन किसी उत्सव से कम नहीं है। गांधी स्टेडियम में इसके लिए भव्य तैयारियां की जा रही हैं। सरगुजा के हिस्से में दो प्रमुख आकर्षण आए हैं। कुश्ती में 28 से 31 मार्च तक पुरुष एवं महिला वर्ग के रोमांचक मुकाबले होंगे, साथ ही 31 मार्च से 1 अप्रैल तक पारंपरिक खेल मलखंभ का प्रदर्शन होगा, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। तैयारियों का जायजा और खिलाड़ियों का स्वागत आयोजन में खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और परिवहन की व्यवस्था के पु ता इंतजाम किए गए हैं।

खेल मंत्री अरूण साव के नेतृत्व में विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि बाहर से आने वाले लगभग 2500 खिलाड़ियों और अधिकारियों को छत्तीसगढ़ की 'अतिथि देवो भव' की परंपरा का अनुभव हो।

आयोजन की मु य विशेषताएं- खेल महाकुंभ का औपचारिक आगाज 25 मार्च को राजधानी रायपुर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में होगा।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से लगभग 2500 जनजातीय खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों की सुविधा और व्यापक प्रसार के लिए मुकाबलों का आयोजन प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों रायपुर, जगदलपुर (बस्तर) और अंबिकापुर (सरगुजा) में किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, वेट लि टंग, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती जैसे 7 मु य खेलों में कड़े मुकाबले होंगे, जबकि कबड्डी और मलखंभ विशेष प्रदर्शन (डेमो गे स) के रूप में आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

जनजातीय प्रतिभाओं को मिलेगा वैश्विक मंच-इस ऐतिहासिक आयोजन का मु य उद्देश्य सरगुजा सहित प्रदेश के सुदूर वनांचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को तराशना है। सरगुजा में होने वाले कुश्ती के मुकाबले स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के मानकों से परिचित कराएंगे, जिससे भविष्य में जनजातीय क्षेत्रों से अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता तैयार हो सकें।

घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ के मामले में अपराध दर्ज

अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के सोनी मोहल्ला में देर रात वेन चालक के घर में पहुंचकर दरवाजे व छत में लगे कराकट को सब्बल से क्षतिग्रस्त करने और घर के अंदर घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक बसंत कुमार चैहान, बच्चों को स्वयं के वेन से होलीक्रास स्कूल के लाने-ले जाने का काम करता है। 23 मार्च को देर रात सागर केंवट के द्वारा परिवार के एक महिला सदस्य के बारे में अनर्गल बातें कही गई थी, जिस कारण उससे विवाद की स्थिति बनी थी। इसके बाद आरोपी सागर केवट धमकी देकर वहां से चले गया था।

महापौर व सभापति ने दिव्यांगजनों को वितरित की मोटराइज्ड ट्रायसायकल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। समाज कल्याण विभाग सरगुजा द्वारा आज 11 दिव्यांगजनों को बैटरी संचालित मोटराइज्ड ट्रायसायकल वितरित की गई। समाज कल्याण विभाग के कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत एवं नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने हितग्राहियों को ट्रायसायकल प्रदान की। मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्राप्त कर दिव्यांगजनों में विशेष उत्साह और खुशी देखने को मिली। हितग्राहियों ने बताया कि इस सुविधा से उन्हें आवागमन में आसानी होगी और वे अपने दैनिक कार्यों के साथ-साथ आजीविका के साधनों में भी आत्मनिर्भर बन सकेंगे। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण व्ही.के. उके सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना एवं उन्हें समाज की मु यधारा से जोड़ना है।

कुदरगढ़ महोत्सव के द्वितीय दिवस क्षेत्रीय लोक कलाओं का बिखरा जलवा

कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चैत्र नवरात्र के षष्ठी तिथि पर माँ दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की आराधना के साथ कुदरगढ़ महोत्सव का द्वितीय दिवस मंगलवार को सरगुजा अंचल की समृद्ध लोक कलाओं को समर्पित रहा। स्थानीय कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने कुदरगढ़ धाम को सांस्कृतिक ऊर्जा और भक्ति के अनूठे संगम से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में करमा दलों एवं विद्यालयीन बच्चों ने अपनी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। नेहा तिवारी ने लोक जस गीतों की प्रस्तुति से पूरे परिसर में भक्ति का वातावरण निर्मित किया। बसंत वैष्णव की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों की भरपूर वाहवाही लूटी। सूरजपुर कला केंद्र के बच्चों ने भी अपनी जीवंत और अविस्मरणीय प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। दीपक बर्मन ने बैंड के साथ अपनी शानदार प्रस्तुति से उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध किया। बी.जी.एम. ग्रुप द्वारा प्रस्तुत पंथी नृत्य महोत्सव का विशेष आकर्षण रहा। नर्तकों के ऊर्जावान और भाव-प्रवण प्रदर्शन ने दर्शकों को अपनी सीट से उठने पर मजबूर कर दिया। इसके उपरांत लक्ष्मीकांत जड़ेजा ने लाइट एवं क्लासिकल गीतों की प्रस्तुति दी, वहीं अस्मी वर्मा, कमलेश शर्मा और नासिर खान नमो नमो ने क्लासिकल भजनों और मनमोहक गीतों की एक के बाद एक प्रस्तुतियाँ देकर महोत्सव को और ऊँचाइयों पर पहुँचाया।द्वितीय दिवस का सबसे बड़ा आकर्षण रहे संजय सुरीला, जिनकी प्रस्तुति ने महोत्सव में चार चाँद लगा दिए। उनके लोकप्रिय गीत ''हाय रे सरगुजा नाचे'' ने उपस्थित जनसमुदाय को झूमने पर विवश कर दिया। सुरीला के सुरों के जादू में डूबे दर्शक देर तक तालियाँ बजाते रहे।

तीन दिवसीय इस महोत्सव के द्वितीय दिवस पर क्षेत्रवासियों का उत्साह देखते ही बनता था। माँ कुदरगढ़ी की पावन धरा पर आशीर्वाद प्राप्त कर श्रद्धालुओं और दर्शकों ने महोत्सव का भरपूर आनंद उठाया।कल 25 मार्च को महोत्सव का समापन दिवस होगा, जिसमें भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम रहने की उम्मीद है। अंतिम दिवस पर बॉलीवुड की सुप्रसिध्द पार्श्व गायिका सीर्ली सेटिया द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जायेगी। इसके साथ ही जिलेवासी कुदरगढ़ महोत्सव का आनंद घर बैठे भी ले सके इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर संचालित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण जिले के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट ''सूरजपुर डिस्ट्रिक्ट '' फेसबुक पेज व डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन सूरजपुर यूट्यूब चैनल मे किया जा रहा है।

कुश्ती, वॉलीबाल, कबड्डी से गूँजा मैदान, कल मल्लखम्ब से होगा समापन

कुदरगढ़ महोत्सव में सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ-साथ खेलों का भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। महोत्सव परिसर में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता ने दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया है। कई प्रदेशों से पधारे पहलवानों के दाँव-पेंच और कसी हुई टक्करों ने दर्शकों को रोमांच की चरम सीमा पर पहुँचा दिया। इसके साथ ही जिला स्तरीय वॉलीबाल और कबड्डी प्रतियोगिता भी पूरे जोश के साथ जारी है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ी अपने दमखम का प्रदर्शन कर रहे हैं और दर्शक भी इन प्रतियोगिताओं का भरपूर आनंद उठा रहे हैं।

आज होगा मल्लखम्ब का शौर्य प्रदर्शन

महोत्सव के अंतिम और सबसे यादगार दिन आज 25 मार्च को पामगढ़ के मल्लखम्ब खिलाड़ी अपने अद्भुत कौशल से दर्शकों को दंग करेंगे। लकड़ी के खड़े खंभे पर योग, शक्ति और साहस का अनोखा संगम प्रस्तुत करने वाले इस प्राचीन पारंपरिक खेल को देखने के लिए जिलेवासियों में गजब का उत्साह है।

मल्लखम्ब केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली शारीरिक संस्कृति की जीवंत विरासत है। पामगढ़ के युवा खिलाड़ी जब खंभे पर चढ़कर अपनी कलाबाजियाँ प्रस्तुत करेंगे, तो निश्चित ही यह दृश्य दर्शकों के मन में लंबे समय तक अमिट रहेगा। जिला प्रशासन एवं महोत्सव आयोजन समिति ने जिलेवासियों से आज बुधवार को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साक्षी बनने का आग्रह किया है।

ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में संगठन की मजबूती पर की गई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। ब्लॉक में कांग्रेस द्वारा पंचायत एवं बूथ अध्यक्षों के चयन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। जिसमे संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को तय करने और आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर मंथन किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि हर बूथ पर संगठन को मजबूत करते हुए आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाए। ब्लॉक प्रभारी संजय यादव ने कहा कि संगठन विस्तार के साथ-साथ कार्यकर्ताओं में समन्वय और सक्रियता बेहद जरूरी है। उन्होंने पंचायत स्तर पर मजबूत टीम बनाने और हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ काम करने का आह्वान किया।

बैठक में अंशु पांडेय, गोरखनाथ पाठक, मंदेश गुर्जर, बेचूराम बैस, युवा कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिला सचिव जितेन्द्र साकेत, लालू जायसवाल, धर्मदास बैस, तुलसी जायसवाल, कमलेश यादव, अवधेश गुर्जर, शिवबालक यादव, धर्मजीत सिंह, मनोज सिंह, रमेश गुप्ता, बहादुर सिंह, मनीराम साकेत, नरेश साकेत, अनिल साकेत, प्रेमलाल जायसवाल, गप्पू जायसवाल, शिशुपाल जायसवाल, प्रताप सिंह, गोपीचंद जायसवाल, कैलाश साकेत, नंदकेश साकेत, धरम पटेल, विनीत जायसवाल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पंचायत एवं बूथ अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करते हुए पारदर्शिता और योग्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने पर जोर दिया गया।

कार्यकर्ताओं ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को सामने रखा, जिस पर संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने गंभीरता से विचार करते हुए समाधान का भरोसा दिलाया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन प्रक्रियाओं की तिथि निर्धारित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के आवेदन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप डॉट इन पर ऑनलाईन की जा रही है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों के पंजीयन एवं संस्थाओं को प्रस्ताव स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन करने हेतु 23 मार्च से 27 मार्च 2026, ड्राफ्ट प्रस्ताव लॉक करने हेतु 23 मार्च से 29 मार्च 2026 तक एवं स्वीकृति आदेश लॉक करने अंतिम तिथि 23 मार्च से 30 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथियों के पश्चात् उक्त पाठ्यक्रमों हेतु शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल, सेक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वयं जिम्मेदार होंगे। साथ ही सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से आधार आधारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। इसलिये सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय सक्रिय बैंक खाता व आधार सीडेड बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि ही करना सुनिश्चित करें।

एनएसयूआई ने की प्रदेश में छात्र संघ चुनाव की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छात्रसंघ चुनाव के बहाली की मांग को लेकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू ने बताया कि यह आवाज उठ रही है कि छात्रों के अधिकारों को वापस दिया जाए। बताया गया कि छात्रसंघ सिर्फ एक चुनाव नहीं है यह छात्रों की आवाज है उनका

प्रदेश भर में छात्र बढ़ती फीस,छात्रवृत्ति में देरी, परीक्षा परिणाम में अनियमितता एवं महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जुझ रहे है। इस बीच छात्र संघ चुनाव न होने के कारण, नेतृत्व की कमी से छात्र काफी परेशान है। इस समस्या से निकलने के लिए छात्र संघ चुनाव कराना अत्यंत आवश्यक है पूरे प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालयों में अधिकार है और लोकतंत्र की पहली पाठशाला है। छात्रसंघ के माध्यम से छात्रों को अपनी बात रखने का मंच मिलता है छात्रों की आवाज को मजबूत मंच मिलता है। चुने हुए प्रतिनिधि सीधे कॉलेज विश्वविद्यालय प्रशासन से संवाद करते हैं और छात्रों की मांगों को मजबूती से उठाते हैं इसके बिना छात्र अलग-अलग आवाज बनकर रह जाते हैं लेकिन छात्रसंघ उन्हें एकजुट करता है। छात्रसंघ चुनाव युवाओं को नेतृत्व सीखने का अवसर देता है इससे छात्रों में निर्णय लेने की क्षमता, जिम्मेदारी निभाने की समझ और टीमवर्क की भावना विकसित होती है। कई बड़े नेता भी छात्र राजनीति से ही आगे बढ़े हैं, यह लोकतंत्र की पहली पाठशाला है छात्रसंघ चुनाव से छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ मिलती है जैसे मतदान, चुनाव प्रचार और अपने प्रतिनिधि का चयन यह उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में तैयार कर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करता है। कॉलेज प्रशासन में जवाबदेही बढ़ती है और कॉलेज प्रशासन मनमानी नहीं कर सकता। इससे पारदर्शिता बढ़ती है और प्रशासन छात्रों के हित में काम करने के लिए बाध्य होता है छात्र हितों की रक्षा और समस्याओं का समाधान, छात्रसंघ फीस वृद्धि, छात्रवृत्ति, परीक्षा, हॉस्टल, लाइब्रेरी और अन्य सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी तरीके से लड़ाई करता है छात्रों की समस्याओं का समाधान जल्दी और संगठित तरीके से होता है। आकाश साहू ने बताया कि यदि जल्द छात्रसंघ चुनाव बहाल नहीं किया गया तो छात्र संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान मुस्तफा खान, अफ़रोज़ अंसारी, शिवम साहू, धर्मेन्द्र साहू, ओमप्रकाश कुशवाहा, संदीप कुशवाहा, आकाश सिंह एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व क्षय रोग दिवस पर सूरजपुर में टीबी उन्मूलन का संकल्प

22 पं. को गांधी प्रतिमा से सम्मान, सौ दिवसीय अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को विश्व क्षय रोग दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिले में वर्ष 2024 एवं 2025 में टीबी मुक्त घोषित पंचायतों को प्रशस्ति पत्र तथा महात्मा गांधी की कांस्य, रजत और स्वर्ण प्रतिमाएँ प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही टीबी उन्मूलन हेतु सौ दिवसीय अभियान के दूसरे चरण का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। अभियान के अंतर्गत अगले सौ दिनों तक स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी रोग की स्क्रीनिंग करेंगे तथा एक्स-रे शिविर लगाकर जाँच की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जिला प्रदेश में अव्वल रहेगा। पुरस्कृत पंचायतों को देखकर अन्य पंचायतें भी प्रेरित होंगी, जिससे समाज और व्यक्ति दोनों को लाभ मिलेगा। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र पाटले ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग एवं अन्य विभागों के समन्वय से ही सूरजपुर को टीबी मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने टीबी के लक्षण, जाँच और उपचार के प्रति जन जागरूकता को अनिवार्य बताया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैंकरा ने टीबी मुक्त पंचायत एवं सौ दिवसीय अभियान के दूसरे चरण के बारे में उपस्थित जनों को विस्तार से जानकारी दी।शिशिकांत गर्ग ने टीबी को सामाजिक और आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए इसे एक गंभीर चुनौती करार दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि जन जागरूकता के अभाव में टीबी से अनेक लोगों की जान जाती है, इसलिए शत-प्रतिशत उन्मूलन के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

जिले के 6 विकासखंडों की कुल 122 पंचायतों को उनकी उपलब्धि के अनुसार महात्मा गांधी की प्रतिमा से सम्मानित किया गया। पहले वर्ष टीबी मुक्त रहने वाली पंचायतों को कांस्य, लगातार दो वर्ष मुक्त रहने वाली पंचायतों को रजत तथा लगातार तीन वर्ष मुक्त रहने वाली पंचायतों को स्वर्ण प्रतिमा प्रदान की गई। सूरजपुर की 21 पंचायतों में से 16 को कांस्य, 5 को रजत तथा 2 को स्वर्ण, प्रतापपुर की 21 पंचायतों में से 16 को कांस्य, 5 को रजत एवं 2 को स्वर्ण, रामानुजनगर की 33 पंचायतों में से 28 को कांस्य तथा 5 को रजत, भैयाथान की 28 पंचायतों में से 13 को कांस्य, 13 को रजत तथा 2 को स्वर्ण, ओड़गी की 19 पंचायतों में से 15 को कांस्य, 3 को रजत एवं 1 को स्वर्ण प्रतिमा मिली। जबकि प्रेमनगर की 10 पंचायतों में से 8 को कांस्य तथा 2 को रजत प्रतिमा प्रदान की गई। कार्यक्रम में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. राजेश पैंकरा एवं शिवराजवाड़े सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने किया। यह पूरा आयोजन राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के संजीत सिंह के नेतृत्व में पीलेश्वर नौरंगे, उमेश गुप्ता, जनेश्वर सिंह, प्रभुनारायण साहू, कबीर सिंह, कविता गुप्ता, धनुलाल टोप्पो, रामविलास, मदनलाल, सुभाष यादव, नीरेश दुबे, नितीश दुबे सहित अनेक सहयोगियों के अथक परिश्रम से संपन्न हुआ।

महतारी वंदन योजना ने बढ़ाया महिलाओं का आत्मविश्वास, नियमित सहायता राशि से निशा को खेती किसानी में समय पर मिल रही मदद

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन की जनकल्याणकारी महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इसी कड़ी में विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम बरती की निवासी श्रीमती निशा देवांगन जिन्होंने योजना से लाभ लेकर अपने जीवन को संवारा है। श्रीमती निशा देवांगन साधारण कृषक परिवार से हैं। सीमित आय और संसाधनों के अभाव में उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बीज, खाद एवं अन्य आवश्यक सामग्री के लिए अक्सर उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिससे खेती का कार्य प्रभावित होता था। वे बताती है कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि से उनकी स्थिति में बदलाव आने लगा। इस नियमित प्राप्त राशि से अब वे खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर जुटा पा रही हैं।

श्रीमती निशा बताती हैं कि खेती में छोटे-छोटे खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। योजना के माध्यम से परिवार में सहयोग कर पा रही हूं। वे कहती है कि मिली आर्थिक सहायता ने आमजन के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया हैं। महतारी वंदन योजना महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहतर पहल साबित हो रही है।

तलवार लहराकर लोगो को धमकाने वाला आरोपी भेजा जेल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। तलवार लहराकर लोगों को जान से मारने की धमकी देने वाले शराबी युवक को जिले की बसदेई पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बताया गया है कि मंगलवार को बसदेई क्षेत्र में दिनेश सोनवानी 32 वर्ष कुंवरपुर शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर आस पास के लोगो एवं राहगीरों को धमका रहा था। जिसकी सूचना बसदेई पुलिस को दी गई। सूचना के बाद ततपरता दिखाते हुए मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी युवक को यहां न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

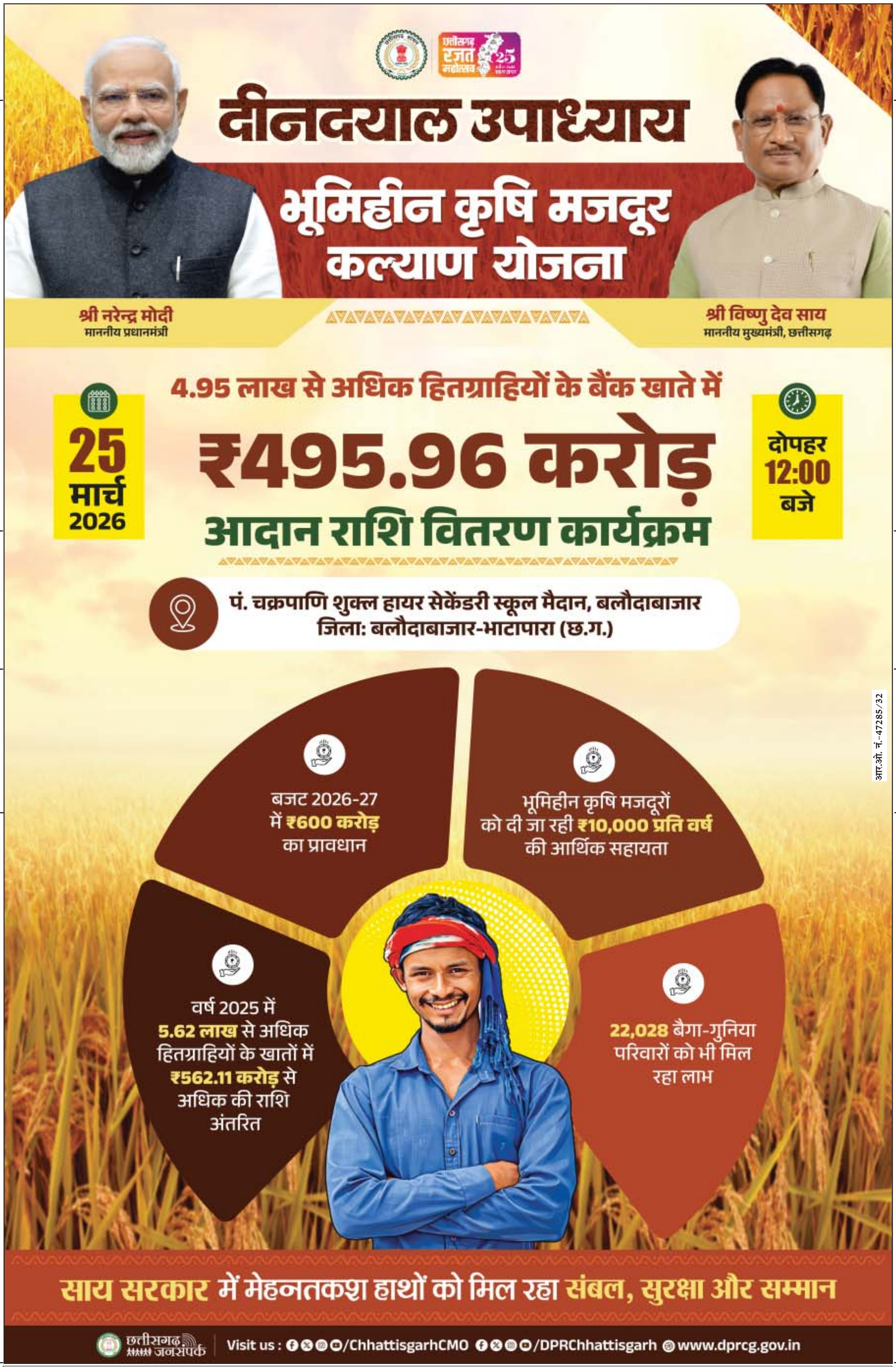

आर.ओ. नं.-47285/32

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर